दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-216 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, बुधवार 9 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एआईएम कांग्रेस-2026 के तीसरे दिन निवेशकों और उद्यमियों से की वन-टू-वन मीटिंग

बेहतर लॉजिस्टिक व्यवस्था से प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने में मदद मिलेगी:मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में ऊर्जा, अधोसंरचना, लॉजिस्टिक्स और नगरीय विकास के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश, देश के मध्य में स्थित है और यहां का सड़क सम्पर्क, रेल तथा एयर कनेक्टिविटी देश के सभी स्थानों से सुगम है। देश के किसी भी कोने में मध्यप्रदेश से अपने उत्पाद पहुंचाना सरल और त्वरित है। प्रदेश में उपलब्ध बेहतर औद्योगिक अधोसंरचना, पर्याप्त ऊर्जा तथा स्किल्ड मैनपॉवर के कारण मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास की दृष्टि से हर तरह की संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुबई में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 (एन्युअल इन्वेस्टमेंट मीटिंग) के तीसरे दिन 8 सितंबर को यूएई के प्रमुख निवेशकों और उद्यमियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग की।

स्टार्टअप को राज्य सरकार कर रही है प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चर्चा के दौरान क्रेसेंट एंटरप्राइजेज के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर श्री बद्र जाफर को प्रदेश के प्रमुख उत्पादन क्लस्टर्स के लिए वेयर हाऊसिंग, लॉजिस्टिक्स आदि के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं से अवगत कराया।

अंतरदेशीय लॉजिस्टिक्स के प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में होगा विकसित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डीपी वर्ल्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रिजवान सूमार के साथ चर्चा में लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन सहित कई विषयों पर बातचीत की। उल्लेखनीय है कि डीपी वर्ल्ड की इकाईयां मध्यप्रदेश में पहले से ही संचालित है तथा वह प्रदेश में गतिविधियों के विस्तार का इच्छुक है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सूमार ने बताया कि डीपी वर्ल्ड कंपनी एंड-टू-एंड सप्लाई चेन और व्यापार समाधानों की एकीकृत वैश्विक प्रदाता है। यह दुबई सरकार की 100 स्वामित्व वाली कंपनी है। कंपनी भारत सहित 80 देशों में काम कर रही है।

भोपाल और इंदौर में वीज़ा सेवाओं का होगा विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ वीएफएस ग्लोबल के वैश्विक प्रमुख श्री अमित साइचर की सौहार्दपूर्ण एवं परिणामोन्मुखी बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्य में निवेश, रोजगार, वीज़ा सेवाओं की सुलभता, पर्यटन तथा युवाओं के कौशल विकास को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीएफएस ग्लोबल को भोपाल और इंदौर में वीज़ा आवेदन सेवाओं का दायरा बढ़ाने तथा क्षेत्रीय पहुंच को और अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। चर्चा के दौरान स्थानीय युवाओं के लिए उद्योग-उन्मुख यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य (हॉस्पिटैलिटी) प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने पर विचार किया गया।

भारत के दौरे पर आएंगे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन

नई दिल्ली। दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच 11 सितंबर को द्विपक्षीय बैठक होने वाली है। क्रेमलिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शुक्रवार को होने वाली द्विपक्षीय बैठक की पुष्टि करते हुए भारत को रूस का रणनीतिक साझेदार बताया है। रूसी राष्ट्रपति के दिल्ली पहुंचने से पहले क्रेमलिन के प्रवक्ता और राष्ट्रपति पुतिन के प्रेस सचिव दिमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को मीडिया से वर्चुअल बातचीत की। उनके बयानों में भारत-रूस रिश्तों की गर्माहट के साथ-साथ बदलती वैश्विक व्यवस्था की झलक भी दिखाई दी। पेस्कोव ने कहा, दोनों देशों के बीच आपसी संपर्क बहुत अहम होंगे, खासकर प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक। जैसा कि आप जानते हैं, भारत और रूस के नेताओं के बीच बहुत करीबी संबंध हैं।

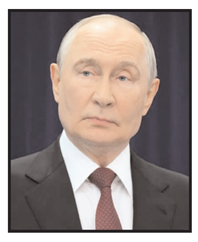

11 सितंबर को पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक

ब्रिक्स कोई संगठन नहीं है; यह एक क्लब है- पेस्कोव

ब्रिक्स की अहमियत पर पेस्कोव ने प्रकाश डालते हुए कहा, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि ब्रिक्स कोई संगठन नहीं है; यह एक क्लब है। हमारे पास कोई चार्टर, नियम या स्थायी कार्यालय नहीं है।

फ्रांस- हिंदू संगठन के दौरे के बाद एफिल टावर बंद

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में मशहूर एफिल टावर सोमवार को कर्मचारियों की हड़ताल के चलते बंद रहा। मामला शनिवार को हिंदू संगठन बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था के करीब 100 सदस्यों के दौरे से जुड़ा है। आरोप है कि BAPS प्रतिनिधिमंडल के आने से पहले कुछ महिला कर्मचारियों को अपनी जगह से हटने के लिए कहा गया, ताकि वहां पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया जा सके। इस घटना से महिला कर्मचारी आहत हुईं। उन्हें यह अपमानजनक लगा। मामला बढ़ने के बाद सोमवार को कर्मचारियों ने बैठक की और मैनेजमेंट से बातचीत की। बात न बनने पर कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी।

महिला कर्मचारियों को काम से हटाने का आरोप; मैनेजमेंट ने गलती मानी

किसी की एंट्री नहीं रोकी, फिर भी मांगी माफी

करीब 100 लोगों के एफिल टावर दौरे की योजना संगठन और टावर के मैनेजमेंट ने मिलकर बनाई थी। दौरे का समय भी इस तरह तय किया गया था, ताकि दूसरे पर्यटकों को कम से कम परेशानी हो।

धुरंधर के गाने पर मोदी की एंट्री, रैंप पर चले:जेन-जी संवाद में राहुल पर तंज-

झूठ की गूंज से भटकाने वाले हर चौराहे पर मिलेंगे

वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा में जेन-जी से 25 मिनट संवाद किया। इस कार्यक्रम के लिए 6 हजार युवाओं को बुलाया गया था। मोदी ने युवाओं से झूठे दावों और भ्रामक बातों से बचने की अपील की। पीएम ने कहा, लोग आपको झूठ की गूंज से गुमराह करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप सच्चाई के साथ खड़े रहना। मोदी का यह बयान राहुल गांधी और कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' अभियान पर तंज माना जा रहा है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए खास तौर पर इ्ु आकार का रैंप बनाया गया था। भाषण से पहले पीएम रैंप पर चलकर युवाओं के बीच पहुंचे।

पहले बजट में एक-दो ट्रेनों की घोषणा होती थीं

पीएम ने कहा, पहले की सरकार में बजट में एक-दो ट्रेनों की घोषणा होती थी। उसके भी सालभर ढोल पीटे जाते थे। अब एक के बाद एक नई ट्रेनें चलाई जा रही हैं। अब नई ट्रेन से वडोदरा, उदयपुर और आलीराजपुर के लोगों को सुविधा होगा। इस साल रेल बजट पौने 3 लाख करोड़ से ज्यादा रहा है। एक बार पोर्ट, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन बन गया तो फिर रोजगार बढ़ना शुरू हो जाता है।

डेडिकेटड फ्रंट कॉरिडोर भारत की जीवन रेखा

पीएम ने कहा, 2014 के बाद आपने जो मुझे शिक्षा-दीक्षा थी, जो सीखकर दिल्ली पहुंचा था, मैंने दिल्ली में इसे गति देना प्रारंभ कर दिया। 2000 किमी के फ्रेट कॉरिडोर के काम पूरा करके दिखाया। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तेजी से विकसित होते भारत की जीवनरेखा है। इसने भारत के ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर कायाकल्प कर दिया है। पहले पैसेंजर ट्रेन जिस ट्रैक चलती थी.

2,000 किमी फ्रेट कॉरिडोर का काम पूरा

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर 2004 में विचार शुरू हुआ और 2006 में विशेष कंपनी बनाई गई, लेकिन 2014 तक सिर्फ फाइलें एक टेबल से दूसरी टेबल तक जाती रहीं। 2014 के बाद हमारी सरकार ने इस प्रोजेक्ट को गति दी और करीब 2,000 किमी फ्रेट कॉरिडोर का काम पूरा किया। पहले पैसेंजर और मालगाड़ियां एक ही ट्रैक पर चलती थीं, जिससे दोनों की रफ्तार प्रभावित होती थी। अब डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर रोज करीब 430 मालगाड़ियां चल रही हैं। ट्रक से सामान भेजने में करीब 30 घंटे लगते हैं.

मजदूरों से भरी बोलेरो को ट्रक ने मारी टक्कर

तीन साल की बच्ची समेत छह की मौत

बालाघाट। गोंदिया-बालाघाट मार्ग पर नागरा गांव के पास सोमवार-मंगलवार की रात एक सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक 3 साल की मासूम बच्ची भी शामिल है। इस हादसे में 7 मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें गोंदिया के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी मृतक और घायल बालाघाट के रहने वाले हैं।यह हादसा गोंदिया ग्रामीण थाना क्षेत्र के नागरा में रात करीब 11 बजे से 1 बजे के बीच हुआ। मजदूरों को हैदराबाद ले जा रही बोलेरो गाड़ी पर सामने से आ रहा एक तेज रफ्तार ट्रक पलट गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद ट्रक को क्रेन से हटाना पड़ा, तब जाकर बुलेरो में फंसे लोगों को बाहर निकाला जा सका। बुलेरो में कुल 13 लोग सवार थे। मौके पर ही 5 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक बच्ची ने बाद में दम तोड़ दिया। बताया गया है कि किरनापुर क्षेत्र के सावरी, किन्ही, लोढामा, पिपलगांव और पल्हेरा गांव के ये लोग मजदूरी करने के लिए हैदराबाद जा रहे थे। देर रात वे बुलेरो से गोंदिया की तरफ जा रहे थे.

आमने सामने से हुई टक्कर

गोंदिया ग्रामीण थाना पुलिस अधिकारी वैभव पंवार ने बताया कि दोनों वाहनों की आमने-सामने की टक्कर के बाद ट्रक बेकाबू होकर पलट गया। इस हादसे में बोलेरो चालक समेत 8 लोग और ट्रक चालक घायल हुए हैं, जिनका गोंदिया के सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में इलाज चल रहा है। पीएम के बाद शव मृतकों के गृह नगर भेजे जा रहे हैं। संतोष तिलकचंद मात्रे (38) सुशीला पति संतोष मात्रे (35) रूपसेन पिता तेजलाल सतेकर (35) ज्योति पति रूपसेन सतेकर (32) किरण पति संतोष वैद्य (26) आरूष मात्रे (3)

आतंकियों ने किया कोर्स

साजिश: एक साथ कई ड्रोन हमले की फिराक में पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के लश्कर-ए-ताइबा और जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठनों ने अब एक साथ दर्जनों ड्रोन उड़ाने और बड़े ड्रोन हमले की साजिशरचनी शुरू कर दी है। पाकिस्तान में कई जगहों पर इन संगठनों से जुड़े आतंकियों को एक साथ दर्जनों ड्रोन चलाने तथा इनके जरिये निगरानी और हमले की दो महीने तक ट्रेनिंग दी गई है। खुफिया एजेंसियों को मिले इनपुट के अनुसार आतंकियों को सामान्य व्यावसायिक ड्रोन के संचालन से लेकर भविष्य में एक साथ कई ड्रोन से हमले के लिए तैयार किया जा रहा है। अमृतसर के आसमान में बीती रात कई ड्रोन देखे जाने की सूचना के बाद कई उड़ानें रद्द और कुछ डायवर्ट करनी पड़ीं। ये ड्रोन पाकिस्तान से आए थे या स्थानीय स्तर पर उड़ाए गए इसकी जांच सुरक्षा और जांच एजेंसियां कर रही हैं।

स्वॉर्म अटैक तक की तैयारी

पाकिस्तान में आईएसआई और पाकिस्तानी सेना की सरपरस्ती में आतंकियों को ड्रोन संचालन की ट्रेनिंग दिया जाना बेहद खतरनाक है। रक्षा विशेषज्ञ सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर एचएस चड्ढा के अनुसार चिंता इसलिए है कि आतंकी संगठन अब केवल एक ड्रोन उड़ाने तक सीमित रहने के बजाय एक साथ कई ड्रोन के इस्तेमाल यानी स्वॉर्म अटैक की कोशिश कर सकते हैं।

राम मंदिर चंदा चोरी...

बदली सारी व्यवस्था, गणनास्थल से बैंक तक कैमरों का पहरा

अयोध्या, एजेंसी

राम मंदिर के चढ़ावे में सेंध ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की व्यवस्था का पूरा ढांचा बदल दिया। चार जून की घटना के बाद महज तीन महीने में ट्रस्ट ने व्यक्ति आधारित सिस्टम को पीछे कर तकनीक और संस्थागत निगरानी को केंद्र में ला दिया है। पहली बार सीईओ की नियुक्ति हुई है, चढ़ावे की गिनती पर कैमरों का पहरा बढ़ा है और मंदिर से बैंक तक नकदी का पूरा सफर डिजिटल रिकॉर्ड में दर्ज होगा। ट्रस्ट का दावा है कि इन बदलावों के बाद राम मंदिर की व्यवस्था देश के बड़े धार्मिक ट्रस्टों में सबसे अधिक पारदर्शी होगी। राम मंदिर के इतिहास में पहली बार सीईओ की नियुक्ति की गई है। सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को सर्वसम्मति से ट्रस्ट का पहला सीईओ चुना गया है। अब तक मंदिर के निर्णय ट्रस्टियों के स्तर पर होते थे, लेकिन अब जिम्मेदारी सीईओ के पास होगी। पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्र के इस्तीफे के बाद ट्रस्ट में नई नियुक्तियां भी की गई हैं।

चढ़ावे की गणना में बड़ा बदलाव

दान गिनने वाले कर्मचारियों के लिए जेब-रहित वर्दी अनिवार्य कर दी गई है, ताकि कोई नकदी बाहर न ले जा सके। गिनती केंद्र में एंट्री-एग्जिट पर तलाशी और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी शुरू की गई है। पहले सीसीटीवी फुटेज 45 दिन रखी जाती थी, अब 180 दिन तक सुरक्षित रहेगी।

नई डिवाइस | जोमैटो फाउंडर दीपेंदर गोयल के टेंपल की 23 लोगों पर की गई टेस्टिंग, डॉपलर मशीन जैसे ही सटीक

दिमाग में बहने वाले खून को मॉनिटर करेगा 'टेंपल'

नई दिल्ली (एजेंसी)

जोमैटो फाउंडर दीपेंदर गोयल ने उनकी नई डिवाइस ड्डटेंपलद्ध को लेकर एक बड़ा अपडेट शेयर किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने बताया है कि टेंपल डिवाइस को 23 लोगों पर टेस्ट करने के बाद नई जानकारी सामने आई है।

आमतौर पर एप्पल घड़ी या फिटबिट जैसे प्रीमियम बैंड जो काम नहीं कर पाते, वह टेंपल ने पूरा किया है। सबसे खास बात है कि टेंपल डिवाइस को अस्पताल में उपयोग होने वाली डॉपलर मशीन (टीसीडी) के मुकाबले टेस्ट किया गया। यह एक जांच अध्ययन है जिसे एक्सपर्ट को रिव्यू के लिए भेजा गया है। दीपेंदर गोयल के अनुसार, रिसर्चर्स ने टेंपल को 23 लोगों पर टेस्ट किया। उन्होंने डॉपलर मशीन के साथ टेंपल के ब्रेन फ्लो इंडेक्स की तुलना की। यह टेस्ट साइक्लिंग करते समय और खड़े होकर तुरंत बिस्तर पर लेटते समय किया गया। टेस्ट में पता चला कि जब इंसान लेटता है तो दिल की धड़कन कम हो जाती है, लेकिन दिमाग में खून का बहाव तेज हो जाता है।

इसी साल से मिलने लगेगी डिवाइस

दीपेंदर गोयल पिछले दिनों यह कन्फर्म कर चुके हैं कि टेंपल डिवाइस को इसी साल बिक्री के लिए लाया जाएगा। हालांकि इसका प्रोडक्शन बड़े स्तर पर होने की उम्मीद कम है। दीपेंदर गोयल ने बताया है कि दुनियाभर में ब्रेन फ्लो के साथ-साथ अलग-अलग तरीकों से एंट्रॉपी पर भी और अधिक वैलिडेशन परीक्षण चल रहे हैं। जैसे-जैसे नतीजे आते जाएंगे, हम आपके साथ साझा करते रहेंगे। दीपेंदर ने अन्य रिसर्चर्स को भी इस डिवाइस का परीक्षण करने के लिए इनवाइट किया है। उनका कहना है कि अगर कोई एलिजिबल रिसर्चर उनके किसी स्टैंडर्ड को टेस्ट करना चाहता है तो कंपनी उन्हें टेंपल डिवाइस उपलब्ध कराएगी।

डॉपलर मशीन की तरह कैसे काम करेगा टेंपल

इस रिसर्च की महत्वपूर्ण बात यह रही कि टेंपल डिवाइस ने लेटने पर दिमाग में बढ़े खून के बहाव को बिल्कुल सटीक और सही तरीके से मापा, ठीक वैसे ही जैसे अस्पतालों में लगीं डॉपलर मशीनें मापती हैं। इससे भविष्य के लिए एक नया विकल्प मिल सकता है। अस्पताल की बड़ी मशीनों के मुकाबले छोटी मशीनें भी सटीक रिजल्ट दे सकती हैं। टेंपल डिवाइस जब मार्केट में आएगी और बड़े पैमाने पर यूज होगी तो इंसान अपने ब्रेन का भी खयाल रियल टाइम में रख पाएगा। हालांकि टेंपल को लेकर की गई स्टडी एकदम शुरुआती है। कंपनी दुनियाभर के वैज्ञानिकों और डॉक्टरों को यह डिवाइस यूज करने के लिए दे रही है, ताकि एक्सपर्ट इसे खुद जांच पाएं।

बिरसिंहपुर में गत वर्ष से दोगुना हुई बारिश, उचेहरा में कम दर्ज हुई बरसात

राहतः दक्षिण यूपी की ओर पहुंचा सिस्टम, अब हल्की बारिश के योग

नगर संवाददाता, सतना।

पिछले दो दिनों से जिले में बारिश से लोगों को राहत मिली है। ऐसे में बाढ़ की त्रासदी से जूझ रहे लोगों को अपने घर गृहस्थी को संभालने का मौका मिल सका है। लोग अपने घर में हुए नुकसान को देखकर जहां व्यथित हैं वहीं अब शासन की ओर से मिलने वाले सहयोग पर उनकी निगाहें टिकी हुई हैं। बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई तो संभव नहीं है किंतु अब मौसम विभाग के द्वारा राहत भरी खबर सामने आई है। मौसम विभाग के अनुसार अगर अब कोई नया सिस्टम नहीं बनता तो आने वाले समय में जिले में हल्की व मध्यम बारिश के ही आसार नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार हैवी सिस्टम अब दक्षिण यूपी की ओर निकल चुका है ऐसे में अब जिले में बारिश से राहत मिलेगी। बादल छटेंगे एवं धूप भी निकलने लगेगी।

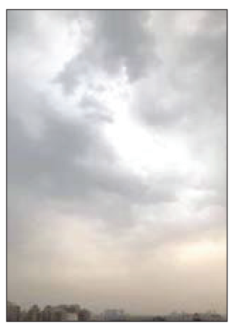

बिरसिंहपुर में 1418 तो उचेहरा में महज 883 मिमी बारिश

जिले में एक जून से 7 सितम्बर तक 1251.9 मिलीमीटर औसत बारिश दर्ज की गई है। भू अभिलेख विभाग के आंकड़ों पर अगर गौर करें तो देखने में आता है कि इस वर्ष सतना शहर, सोहावल, मझगवां, बिरसिंहपु, रामपुर बाघेलान, नागौद , जसो में पिछले वर्ष की तुलना में अधिक बारिश दर्ज की गई है। जिले के बिरसिंहपुर में विगत वर्ष जहां 775.3 मिलीमीटर बारिश हुई थी वहीं इस वर्ष में अब तक 1418.4 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड हो चुकी है जो गत वर्ष से दोगुना है। इसी प्रकार से जिले की उचेहरा एक मात्र ऐसी तहसील है जहां गत वर्ष से कम बारिश दर्ज हुई है। आंकड़ों के अनुसार गत वर्ष उचेहरा में 1119 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड हुई थी जबकि इस वर्ष यहां पर अब तक महज 883 मिलीमीटर बारिश दर्ज हो सकी है जो विगत वर्ष की तुलना में कम है।

बारिश पर एक नजर

वर्षामापी केन्द्र	चालू वर्ष	गत वर्ष
सतना	1353	1190
सोहावल	1307	844
मझगवां	1568	1239
बिरसिंहपुर	1418	775
रामपुर बाघे.	1331	961
नागौद	1299	1240
जसो	853	491
उचेहरा	883	1119

(नोटः बारिश मिलीमीटर में है)

संक्षिप्त समाचार

नरेन्द्र शाह का निधन

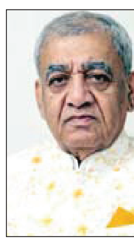

सतना। वरिष्ठ समाजसेवी एवं श्री श्वेतांबर जैन संघ ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य नरेंद्र नारायण शाह का आकस्मिक निधन 7 सितम्बर की शाम को हो गया है। स्व. नरेन्द्र शाह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गिरीश शाह के छोटे भाई थे। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार 8 सितम्बर को किया जाएगा।

स्मार्ट सिटी की बदहाली पर निगम कमिश्नर लें संज्ञानः सुरेंद्र शर्मा

सतना। समता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने जारी बयान में नगर निगम के नवनियुक्त कमिश्नर से सतना शहर के सड़कों की जर्जर हालत और आम जनों को हो रही बेहद परेशानी की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि

निगम आयुक्त शहर के आम नागरिकों की सुविधा और स्मार्ट सिटी के स्वरूप को कायम करने की दृष्टि से इस कार्य को प्राथमिकता से अपने संज्ञान में ले और नागरिक सुविधा की सहूलियत को एक चुनौती के रूप में भी स्वीकार करें जिससे सुशासन पर उठ रहे प्रश्न विराम ले सके।

बाढ़ पीड़ितों की मदद का क्रम जारी

सतना। चित्रकूट में आई बाढ़ के बीच दीनदयाल शोध संस्थान लगातार राहत एवं बचाव कार्यों में जुटा हुआ है। डीआरआई द्वारा बाढ़ राहत कार्य संगठन सचिव अभय महाजन के नेतृत्व में लगातार जारी है। संस्थान के चिकित्सा दल, कृषि एवं पशु स्वास्थ्य चिकित्सा दल तथा बाढ़ सहायता दल क्षेत्र में पहुंच गए। संस्थान के सह संगठन सचिव अनिल अग्रवाल भी दर्जनों बस्तियों सहित आसपास के इलाकों में जाकर वे परिवारों की जरूरतों की जानकारी ले रहे हैं, ताकि राहत सामग्री वास्तविक जरूरतमंदों तक व्यवस्थित तरीके से पहुंचाई जा सके।

[आयोजन] अभियान से संगठन को जनसेवा से जोड़ने का संकल्प

मोदी के 25 वर्षों का सेवा-संकल्प देश की राजनीति में ऐतिहासिक उदाहरणः गणेश सिंह

नगर संवाददाता, सतना।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत मैहर में आयोजित जिला स्तरीय कार्यशाला में सतना-मैहर लोकसभा क्षेत्र के सांसद गणेश सिंह ने शिरकत की। कार्यशाला में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि भाजपा ने सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत बेहद सोच-समझकर की है। वर्तमान समय में देश और समाज के परिवेश को ध्यान में रखते हुए इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब सेवा, जनसेवा और राष्ट्र सेवा के संकल्प को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। सांसद गणेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और सेवा के 25 वर्ष पूरे होना पार्टी ही नहीं, बल्कि देश के लिए भी गर्व का विषय है। वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक यात्रा वर्ष 2026 में 25 वर्ष पूरे कर चुकी है। इन 25 वर्षों में उन्होंने देश और प्रदेश के सामने सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए हैं, जिन्हें लंबे समय तक याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति में नरेन्द्र मोदी जैसा नेतृत्व विरले ही देखने को मिलता है। लगातार 25 वर्षों तक संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए उन्होंने जिस तरह गरीब, वंचित और आम नागरिक को केंद्र में रखकर कार्य किया है, वह अपने आप में एक उदाहरण है। आज उनकी कार्यशैली और नेतृत्व की चर्चा देश ही नहीं, पूरी दुनिया में हो रही है।

2011 में बने थे गुजरात के मुख्यमंत्री

सांसद ने कहा कि वर्ष 2001 से शुरू हुई नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक और प्रशासनिक यात्रा 2026 में 25 वर्ष के महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंची है। यह केवल एक राजनीतिक यात्रा नहीं है, बल्कि सेवा और राष्ट्र निर्माण की निरंतर यात्रा है। उन्होंने कहा कि इन वर्षों में गुजरात से लेकर देश के प्रधानमंत्री पद तक नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह देश का नेतृत्व किया है, वह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री के सेवा और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए समाज के बीच सक्रिय भूमिका निभाएं। सेवा संकल्प अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी बनाने और अधिक से अधिक लोगों को इससे जोडने़ पर भी उन्होंने जोर दिया।

कार्यशाला में संगठनात्मक चर्चा

मैहर में आयोजित जिला कार्यशाला के दौरान सेवा संकल्प अभियान की रूपरेखा, उसके उद्देश्यों और कार्यकर्ताओं की भूमिका को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से अभियान को प्रभावी बनाने तथा समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचने का आह्वान किया। कार्यशाला में संभागीय प्रभारी विजय दुबे, भाजपा जिलाध्यक्ष कमलेश्वर सुहाने, मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल, गीता संतोष सोनी, विश्वनाथ तिवारी, जितेन्द्र पटेल, शिवदयाल प्रजापति सहित भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेवा, समर्पण व संगठन के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

भाजपा जिला कार्यसमिति व 'सेवा संकल्प अभियान' की बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर मंथन

नगर संवाददाता, सतना।

भाजपा कार्यालय में आयोजित जिला कार्यसमिति एवं 'सेवा संकल्प अभियान' की महत्वपूर्ण बैठक में महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने सहभागिता करते हुए संगठन के आगामी कार्यक्रमों एवं जनसेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में सेवा, समर्पण और संगठन के संकल्प को मजबूत करते हुए जनहित के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने, आमजन से निरंतर संवाद स्थापित करने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने को लेकर सार्थक चर्चा हुई। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से सेवा भावना के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचने और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन सेवा और जनसरोकारों को केंद्र में रखकर कार्य करता है। 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से सरकार की योजनाओं और संगठन के सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से जनहित के कार्यों को नई गति और प्रभावशीलता प्रदान की जा सकती है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर संभाग प्रभारी विजय दुबे, जिला प्रभारी जी.एस. ठाकुर, भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती पाण्डेय, सांसद गणेश सिंह, चित्रकूट विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार, रामपुर बाघेलान विधायक विक्रम सिंह, चित्रकूट विकास प्राधिकरण अध्यक्ष विजय यादव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं महिला मोर्चा अध्यक्ष सुष्मिता सिंह, ननि स्पीकर राजेश चतुर्वेदी पाल, ऋषभ सिंह, जे.पी. गुप्ता सहित जिला पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वैश्य महासम्मेलन के रोहित जिला संगठन व ओमप्रकाश गुप्ता जिला उपाध्यक्ष बने

नगर संवाददाता, सतना।

अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला इकाई सतना में कुछ और नियुक्तियां की गई है संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल एवं प्रदेश अध्यक्ष गोविंद गोयल कुलदीप धारिया की सहमति से जिला प्रभारी कमलेश गुप्ता एवं जिला अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल (टिंकू) ने रोहित अग्रवाल (लोहा) को जिला संगठन मंत्री तथा ओमप्रकाश गुप्ता को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा से अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए संगठन को जिले की तहसीलों एवं ग्राम पंचायतों तक पहुंचाने और वैश्य समाज के हितों के लिए कार्य करेंगे इनकी नियुक्ति पर वैश्य समाज के सभी घटकों के वैश्य बंधुओं ने बधाई दी है।

धूमधाम से मनाया गया बोनान्ज़ा में शिक्षक दिवस

नगर संवाददाता, सतना।

बोनान्ज़ा कॉ. हॉ. से.स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह छात्र-छात्राओं द्वारा अत्यन्त बेहतरीन अंदाज मे डायरेक्टर दिलीप अरोरा के मुख्य अतिथ्य चेयरमैन गौरव अरोरा की अध्यक्षता तथा प्राचार्या रश्मि श्रीवास्तव के निर्देशन मेंं कया गया। कॉलेज़ प्राचार्या प्रमिला सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित रही। बोनान्ज़ा के पंडाल को दुल्हन की तरह सजाकर,शिक्षकों की अगवानी ग्रीन कारपेट में ढोलनगाड़ों के साथ की गई एवं छात्र-छात्राओं द्वारा उनकी खूबियों पर बनाये गये परिचय गीतों के साथ उनकी पंडाल मेंअगवानी की गई। तत्पश्चात शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी एक से बढ़करएक नृत्य व गीत प्रस्तुत किए। सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्टॉफ को दिलीप अरोरा एवं रूचिअरोरा द्वारा पुरस्कारों से नवाज़ा गया। चेयरपर्सन द्वारा सारगर्भित उद्बोधन दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन सुष्मिता चक्रवर्ती एवं गेम्स का आयोजन प्रिंसी सिंह, वंदना पाण्डेय एवं साक्षी श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

चिन्मय विद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस

नगर संवाददाता, सतना।

चिन्मय विद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में ब्रह्मचारिणी मिताली शर्मा ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में एक आदर्श शिक्षक के तीन महत्वपूर्ण गुण बताए–ज्ञान, धैर्य और उत्तम आचरण। उन्होंने कहा कि शिक्षक का आचरण ऐसा होना चाहिए कि विद्यार्थी उससे प्रेरणा लें और उसे अपना आदर्श मानें।कार्यक्रम में प्रबंध समिति के सदस्य प्रदीप नायक, मनमोहन माहेश्वरी, प्राचार्या अंशु राय, प्रधानाध्यापिका सीता गुप्ता एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। समारोह ने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता की भावना को और सुदृढ़ किया।

जागरूकताः विंध्य चेंबर महामंत्री मनोज कटारे ने किया रक्तदान

व्यापार जगत को दिया मानवता का संदेश

नगर संवाददाता, सतना।

समाजसेवा और मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के महामंत्री मनोज कटारे ने रक्तदान कर एक अनुकरणीय संदेश दिया उन्होंने स्वेच्छा से रक्तदान कर यह साबित किया कि व्यापार के साथ-साथ समाज और मानव जीवन के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री विंध्य क्षेत्र में

व्यापारियों की प्रमुख संस्था के रूप में व्यापार जगत के हितों के लिए निरंतर कार्य कर रही है ऐसी प्रतिष्ठित संस्था के महामंत्री द्वारा स्वयं आगे बढ़कर रक्तदान करना निश्चित रूप से व्यापारिक समुदाय और युवाओं के लिए प्रेरणादायक है रक्त प्रेरक एवं सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने मनोज कटारे के इस मानवीय प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि जरूरतमंद को जीवन देने का पुनीत कार्य है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद परिवार के चेहरे पर मुस्कान और किसी जीवन में नई उम्मीद ला सकता है । रक्तदान के अवसर पर समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी, मनीष सदानी, बंसी नागदेव, ब्लड बैंक से आशीष तिवारी, आर के वर्मा पिंटू, सरिता सिंह एवं ब्लड बैंक स्टाफ प्रमुख रूप से उपस्थित रहा।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव व शिक्षक दिवस

नगर संवाददाता, सतना।

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव एवं शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.के. पाण्डेय, मुख्य अतिथि विमला पाण्डेय, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति, ब्रह्मचारिणी मिताली तथा विशिष्ट अतिथि द्वय प्रदीप नायक एवं एस.पी. सिंह ने मां वीणापाणि एवं भगवान श्रीकृष्ण का पूजन-अर्चन कर किया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता ब्रह्मचारिणी मिताली ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीकृष्ण ने युद्धभूमि में अर्जुन को कर्म, कर्तव्य और जीवन का मार्गदर्शन प्रदान किया। अर्जुन ने एकाग्रचित्त होकर उनके उपदेश को ग्रहण किया, जिसके परिणामस्वरूप श्रीमद्भगवद्गीता जैसा महान ग्रंथ मानवता को प्राप्त हुआ, जो आज भी पूरे विश्व को जीवन की दिशा प्रदान कर रहा है। मुख्य अतिथि विमला पाण्डेय ने गुरु की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के चरित्र से जीवन के प्रत्येक आयाम में उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त होती है। उनके जीवन-दर्शन में कर्तव्य, अनुशासन, कर्म और लोककल्याण की भावना का समन्वय दिखाई देता है।

इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं ने श्रीकृष्ण भजनों की प्रस्तुति दी। श्रीकृष्ण आधारित प्रश्नोत्तरी एवं मटकी फोड़ो प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में शिक्षक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टाफ को प्राचार्य डॉ. ए.के. पाण्डेय द्वारा डायरी एवं पेन भेंट कर सम्मानित किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. ए.के. पाण्डेय ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं परंपरा से जुड़े ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ-साथ समाज को शाश्वत प्रेरणा प्रदान करते हैं।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम का संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. रमाकांत सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ .अनुराधा जैन, डॉ .आभा गोयल डॉ. किरण सिंह, डॉ. आभा खरे, डॉ. राजनिधि सिंह, डॉ. प्रज्ञा द्विवेदी, प्रो. विक्रम द्विवेदी, डॉ. शशिकांत सिंह सहित महाविद्यालय का समस्त शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहा।

[सुविधा] सतना में रहेगा ठहराव

पितृपक्ष पर गया आने-जाने चलेगी स्पेशल ट्रेन

नगर संवाददाता, सतना।

रेल प्रशासन द्वारा श्राद्धपक्ष के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए पितृपक्ष स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु रानी कमलापति-गया-रानी कमलापति एवं जबलपुर-गया-जबलपुर के मध्य पितृपक्ष स्पेशल ट्रेनों की 12 सेवाएं चलाने का निर्णय लिया है। इन स्पेशल ट्रेनों में वातानुकूलित श्रेणी, शयनयान श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

जबलपुर-गया-जबलपुर पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन (03-03 फेरे)

01701 पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन 29सितम्बर, 04अक्टूबर एवं 09अक्टूबर को रात 9.25 बजे जबलपुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 2.30 बजे गया पहुंचेगी। वहीं 01702 पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन 28सितम्बर , 03अक्टूबर एवं 08 अक्टूबर को दोपहर 3.30 बजे गया से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 08.10 बजे जबलपुर पहुंचेगी। उक्त ट्रेन की दोनों दिशाओं में तीन–तीन फेरे संचालित होगी। ट्रेन सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, देहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड में रुकेगी।

रानी कमलापति-गया-रानी कमलापति ट्रेन (03-03 फेरे)

01661 पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन 27 सितम्बर , 02अक्टूबर एवं 07अक्टूबर को दोपहर 2.20 बजे रानी कमलापति से प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 2.30 बजे गया पहुंचेगी। वहीं 01662 पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन 30 सितम्बर, 05अक्टूबर एवं 10 अक्टूबर को दोपहर 3.30 बजे गया से रवाना होगी और अगले दिन शाम 14.15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। उक्त ट्रेन की दोनों दिशाओं में तीन–तीन फेरे सेवाएं यात्रियों को मिलेगी। यह ट्रेन नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी–ऑन–सोन, अनुग्रह नारायण रोड में रुकेगी।

श्रीराम सुदर्शन वेलफेयर एंड एजुकेशन सोसायटी ने किया शिक्षकों का सम्मान

नगर संवाददाता, सतना।

श्री राम सुदर्शन वेलफेयर एंड एजुकेशन सोसायटी द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह एवं पौधरोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के समर्पण, परिश्रम एवं महत्वपूर्ण योगदान के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि ध्रुव कुमार त्रिपाठी (अध्यक्ष पालक संघ सतना),संदीप पांडे (अध्यक्ष प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन जिला सतना), रामगोपाल विश्वकर्मा, चंद्रिका त्रिपाठी , नरेश श्रीवास्तव (स्काउट शिक्षक), रामगोपाल गर्ग, एस.पी. त्रिपाठी सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार की ओर से सभी शिक्षकों का सम्मान किया गया तथा उनके समर्पण, परिश्रम एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में योगदान की सराहना की गई। इस अवसर पर सोसायटी अध्यक्ष राजकुमार कुशवाहा ने कहा कि शिक्षक समाज के वास्तविक मार्गदर्शक होते हैं। वे विद्यार्थियों को केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि उनके संस्कार, चरित्र एवं उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अधिवक्ता परिषद का स्थापना दिवस समारोह आयोजित

रीवा। अधिवक्ता परिषद जिला इकाई रीवा द्वारा स्थापना दिवस का कार्यक्रम स्थानीय विधि महाविद्यालय में डॉक्टर योगेंद्र तिवारी प्राचार्य विधि महाविद्यालय के मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष मिश्रा रतन माला मुख्य वक्ता एवं जिला अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद त्रिपाठी की अध्यक्षता और प्रदेश कर समिति सदस्य पुरुषोत्तम पाठक एवं जिला महामंत्री राकेश पांडे के आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि अधिवक्ता परिषद द्वारा राष्ट्र एवं समाज के हित में किए गए कार्यों की उपलब्धियां वर्तमान विधिक एवं सामाजिक क्षेत्र में परिलक्षित हो रही हैं साथ ही आगामी समय में भारतीयता के अनुरूप विधि एवं न्याय प्रशासन तथा सामाजिक जागरूकता में परिषद का अहम योगदान होगा। मुख्य वक्ता रतन माला ने बदयात्रा का समग्र परिसीलन करते हुए बृहद रूप से व्यवहारवाद की संपूर्ण प्रक्रिया एवं उसके सूक्ष्म एवं बारीक विधिक बिंदुओं को विधि के विद्यार्थियों को एवं अधिवक्ताओं के समक्ष प्रस्तुत किया। अधिवक्ता परिषद की स्थापना एवं उद्देश्य पर पुरुषोत्तम पाठक ने प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्बोधन में जिला अध्यक्ष ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा एवं आगामी समय में कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन परिषद जिला महामंत्री राकेश पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं क्रियान्वन स्टडी सर्किल प्रभारी कौशलेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेश्वर प्रसाद दुबे अधिवक्ता न्याय केंद्र प्रभारी रूद्रम तिवारी कोषाध्यक्ष धनेश तिवारी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता प्रभात मिश्रा प्रभु, सरोज वर्मा महिला प्रमुख,अनुराधा सोनी, विजेंद्र सोनी,नरेंद्र तिवारी एवं अनिल पांडे और विधि महाविद्यालय के छात्र.छात्राएं उपस्थित रहे।

रीवा के ज्योतिषी विक्रम दिल्ली में हुए सम्मानित

रीवा। देश की राजधानी दिल्ली के प्रेशियस फॉरेवर बैंक्वेट हॉल में हुए ज्योतिष सम्मेलन में रीवा के ज्योतिष विक्रम शुक्ला को स्टार अचीवर अवार्ड से फ़िल्म अभिनेत्री अदा शर्मा एवं प्रसिद्ध ज्योतिषी गुरुदेव जीडी वशिष्ठ द्वारा सम्मान प्रदान किया गया। इस सम्मेलन में देश के और भी जाने माने ज्योतिषविद,जय प्रकाश शर्मा लाल धागे वाले ,राजीव शर्मा , मुकेश परासर, नेहा सदाना सहित अन्य ज्योतिषीगण मौजूद रहे। कार्यक्रम की आयोजक टैरो क्वीन मीनू शर्मा पूरे समय उपस्थित रहीं।

उपमुख्यमंत्री के आवास में प्रवेश को लेकर रीवा में विरोध प्रदर्शन

■ सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी व जनप्रतिनिधि हुए शामिल, दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग

रीवा, नगर संवाददाता।

उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के अमहिया स्थित आवास में 6 सितंबर को अवैधानिक तरीके से प्रवेश करने के प्रयास एवं हंगामे की घटना के विरोध में सोमवार को रीवा नगर में जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में करीब 2000 सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी, नागरिक एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। नगर के विवेकानंद पार्क में एकत्रित व्यापारिक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हाथों में तखतिया लेकर सख्त कार्यवाही किए जाने की मांग के नारे लगाते हुए पार्क से पैदल चलते हुए आईजी कार्यालय पहुंचे जहां पर मांग पत्र सौप कर कार्यवाही किए जाने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए पुलिस प्रशासन से आपराधिक प्रकरण दर्ज करने तथा उपद्रव करने वाले लोगों की गिरफ्तारी की मांग की। प्रदर्शन के बाद पुलिस महानिरीक्षक,रीवा जोन के नाम ज्ञापन सौंपकर घटना में शामिल लोगों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की मांग की गई।

रीवा की राजनीति में रंगे हुए सियार आ गए हैं जिनके लिए राजनीति सिर्फ खेल है: सांसद जनार्दन

प्रदर्शन को रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने संबोधित करते हुए कहा कि हमने बाल जीवन से राजनीति की है परंतु कभी इस तरह की राजनीति नहीं देखी जब मर्यादाओं का उल्लंघन इस तरह से हो रहा है,सत्ता की भूख में विरोधी दल के लोग सभी मर्यादाओं को भूल कर अपराधियों जैसा आचरण कर रहे हैं घरों में वैधानिक रूप से घुस रहें। रीवा की राजनीति में रगे हुए सियार आ गए हैं जिनके लिए राजनीति सिर्फ खेल है मैं ऐसे लोगों को चेतावनी देना चाहता हूं कि अति ना करें काजल की कोठरी में बैठे हुए हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध एवं अपनी बात रखने का अधिकार सभी को है, लेकिन किसी जनप्रतिनिधि के आवास में जबरन प्रवेश करने का प्रयास अथवा कानून-व्यवस्था को चुनौती देने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जा सकता। पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी ने कहा कि राजनीतिक भस्मासुरों को भाजपा कार्यकर्ता उनकी असली औकात दिखाने में सक्षम है परंतु राजनीतिक मर्यादाओं का हम उल्लंघन नहीं करना चाहते ऐसे लोग सुधर जाएं वरना रीवा की जनता उन्हें फिर असली स्थान पर पहुंचाएगी। नगर निगम अध्यक्ष वेंकटेश पांडे ने कहा कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन कानून हाथ में लेने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। उन्होंने पुलिस प्रशासन से घटना की गंभीरता से जांच कर दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की।

शहर का माहौल खराब करने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस एवं घटना में शामिल बताए जा रहे सामाजिक तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए किसी दुखद घटना को मुद्दा बनाकर शहर का माहौल खराब करने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रीवा की जनता शांति, कानून–व्यवस्था और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के साथ है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि पूरे मामले की जांच उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर की जाए, ताकि वास्तविक दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई हो सके। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में व्यापारी सामाजिक फुटकर विक्रेता संघ के पदाधिकारी ,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी, विद्या प्रकाश श्रीवास्तव, राम सिंह,राजेंद्र ताम्रकार, श्रीमती मनीषा पाठक, कृष्ण प्रिया मैत्रेय, राजगोपाल चारी ,कमलेश सचदेवा, प्रबोद व्यास, नारायण मिश्रा, योगेंद्र शुक्ला, गणेश अग्रवाल, बंसी साहू, सुशील खरे, राजन वर्मा, अशोक ऋषि, पूर्णिमा तिवारी, दीनानाथ वर्मा, बी कछवाहा, देवेंद्र सोहगौरा ,अधिवक्ता संघ के सचिव सुलभ पांडे, श्रीमती सरिता सिंह, पूर्व पार्षद सतीश सिंह, महेंद्र तिवारी ,प्रेम प्रकाश पांडे, प्रकाश सोनी,शिवम द्विवेदी,गौरव पांडे,डॉ. अभियान सिंह,छत्रपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में नगर वासी जिलावासीयो ने भाग लिया पुलिस महान निरीक्षण त्वरितकार्यवाही करने का आश्वासन दिया ।

कार्डियोलॉजी विभाग के चिकित्सकों की बड़ी उपलब्धिः सफल रहा सीआरटी-पी प्रत्यारोपण

■ 72 वर्षीय महिला मरीज को मिली नई उम्मीद

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा मे सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, के कार्डियोलॉजी विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल में पहला सीआरटी-पी सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया। इस जटिल प्रक्रिया के सफल होने से गंभीर हृदय रोग से जूझ रहे मरीजों के लिए रीवा में ही आधुनिक उपचार की नई सुविधा उपलब्ध होने का रास्ता मजबूत हुआ है। दरअसल यह उपचार मैहर जिले के अमरपाटन निवासी 72 वर्षीय महिला मरीज का किया गया। मरीज सांस फूलने, कमजोरी, जल्दी थकान और बार-बार अस्पताल में भर्ती होने की समस्या से परेशान थीं। उन्होंने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, रीवा के कार्डियोलॉजी विभाग की ओपीडी में डॉ. एस.के. त्रिपाठी, प्राध्यापक एवं कार्डियोलॉजिस्ट से परामर्श लिया। जांच के दौरान मरीज की ईसीजी और ईकोकार्डियोग्राफी की गई। जांच में सामने आया कि उनके हृदय की पंपिंग क्षमता काफी कम थी और हृदय के अलग-अलग हिस्सों के बीच विद्युत गतिविधियों का तालमेल भी ठीक नहीं था। इसके कारण हृदय के दोनों निचले कक्ष (वेंट्रिकल) एक साथ सही समय पर संकुचित नहीं हो पा रहे थे। इसका सीधा असर हृदय की रक्त पंप करने की क्षमता पर पड़ रहा था। मरीज की स्थिति का विशेषज्ञ टीम द्वारा विस्तृत मूल्यांकन करने के बाद उन्हें ष्टक्रञ्ज-क्कडिवाइस लगाने की सलाह दी गई। इसके बाद अस्पताल में यह जटिल प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई। डॉक्टर एसके त्रिपाठी की माने तो सीआरटी-पी एक विशेष प्रकार का पेसमेकर है, जो हृदय के अलग-अलग हिस्सों के बीच तालमेल बनाने में मदद करता है। सामान्य पेसमेकर की तुलना में इसमें हृदय के तीन अलग-अलग स्थानों तक लीड पहुंचाई जाती हैं, ताकि दोनों वेंट्रिकल एक साथ और बेहतर तरीके से काम कर सकें। प्रक्रिया के दौरान कॉलर बोन के नीचे छाती में पेसमेकर के लिए स्थान बनाया गया। नसों के रास्ते विशेष लीड हृदय तक पहुंचाई गईं। पहली लीड दाएं एट्रियम और दूसरी दाएं वेंट्रिकल में स्थापित की गई, जबकि तीसरी लीड कोरोनरी साइनस के माध्यम से बाएं वेंट्रिकल को गति देने के लिए लगाई गई। फिलहाल यह उपलब्धि विंध्य क्षेत्र के हृदय रोग से ग्रसित मरीजो के लिए किसी बड़ी खुशखबरी से कम नहीं है चुंकि जिस जटिल इलाज के लिए अब तक महानगरो मे जाना पड़ता था अब वही इलाज रीवा मे सम्भव है।

तीन दिनों से अंधेरे में गंगेव व पूर्वा-310

अस्पताल की बिजली ठप, वैक्सीन खराब होने का खतरा

रीवा, नगर संवाददाता।

मनगवां तहसील अंतर्गत गंगेव एवं पूर्वा-310 क्षेत्र की बिजली व्यवस्था पिछले तीन दिनों से पूरी तरह चरमराई हुई है। लगातार बिजली गुल रहने और कम वोल्टेज की समस्या से ग्रामीणों के साथ-साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मरीजों को भी गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया कि क्षेत्र में बिजली का बार-बार आना-जाना और कम वोल्टेज की समस्या लंबे समय से बनी हुई थी, लेकिन पिछले दो दिनों से स्थिति और गंभीर हो गई है। कई इलाकों में लगभग पूरी तरह बिजली आपूर्ति बाधित है। इसका सीधा असर गंगेव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पड़ रहा है, जहां बिजली सप्लाई बाधित होने से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। सबसे गंभीर चिंता अस्पताल में रखे लाखों रुपये मूल्य के वैक्सीन को लेकर है। बिजली नहीं होने के कारण फ्रीजर और कोल्ड चेन व्यवस्था प्रभावित होने से वैक्सीन खराब होने का खतरा पैदा हो गया है। वहीं अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली व्यवस्था बहाल कराने के लिए कई बार विद्युत मंडल के अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार बिजली संकट से क्षेत्र के लोगों में विद्युत विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से तत्काल बिजली व्यवस्था सुचारू कराने की मांग की है, ताकि अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों और वैक्सीन सहित अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों को नुकसान से बचाया जा सके।

अति वृष्टि से प्रभावित किसानों को शीघ्र राहत देने की मांग

रीवा, नगर संवाददाता।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ जिला इकाई रीवा की मासिक बैठक उद्यानिकी परिसर में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं बैठक अध्यक्ष रविदत्त सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक की शुरुआत भगवान बलराम जयंती के कार्यक्रम के साथ हुई। इस दौरान संगठनात्मक एवं किसान-मजदूरों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अति वृष्टि एवं लगातार हुई बारिश से किसानों और मजदूरों को हुए नुकसान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। संगठन ने शासन-प्रशासन से मांग की कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश के कारण जिन किसानों एवं मजदूरों के कच्चे मकान गिर गए हैं, उनका शीघ्र सर्वे कराया जाए तथा प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। बैठक में राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ द्वारा सिवनी जिले से 15 अगस्त से प्रारंभ की गई जन जागरण यात्रा के संबंध में भी जानकारी दी गई। बैठक में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री रविदत्त सिंह, महाकौशल प्रांत अध्यक्ष शोभनाथ कुशवाहा, जिलाध्यक्ष रीवा भक्त प्रहलाद वर्मा, कोषाध्यक्ष जगदीश प्रसाद सोंधिया, मीडिया प्रभारी विवेक पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष रीवा अरुण पटेल, रामसिया पटेल, अनूप सिंह, रामायण प्रसाद मिश्रा एवं बैजनाथ शुक्ला सहित संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह जानकारी राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के मीडिया प्रभारी विवेक पटेल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

लोक अदालत की तैयारियों व राजस्व वसूली कार्य की समीक्षा

■ वसूली बढ़ाने के दिए निर्देश

रीवा, नगर संवाददाता।

नगर निगम सहायक आयुक्त एवं राजस्व अधिकारी रामनरेश तिवारी ने सोमवार को निगम सभागार में राजस्व वसूली कार्य की समीक्षा बैठक आयोजित कर आगामी लोक अदालत की तैयारियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं वार्ड प्रभारियों को राजस्व वसूली में तेजी लाने तथा 12 सितम्बर को होने वाली लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए एवं बैठक के दौरान उन्होंने बाढ़ एवं अतिवृष्टि के कारण प्रभावित हुई राजस्व वसूली कार्य पर विशेष जोर देते हुए सभी वार्ड प्रभारियों को वसूली की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण जिन क्षेत्रों में राजस्व वसूली प्रभावित हुई है, वहां विशेष अभियान चलाकर बकाया करों की वसूली सुनिश्चित की जाए। सहायक राजस्व अधिकारी अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से राजस्व वसूली की समीक्षा करें और निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति करे। उन्होंने आगामी लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर देते हुए कहा कि नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड के नागरिकों तक लोक अदालत की जानकारी पहुंचना आवश्यक है। इसके लिए ई-रिक्शा एवं कचरा संग्रहण वाहन के माध्यम से सभी वार्डों में लोक अदालत से संबंधित जानकारी का प्रचार-प्रसार कराया जाए, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को संपत्ति कर जमा करने पर मिलने वाली विशेष छूट की जानकारी हो सके और वे इसका लाभ उठा सकें। साथ ही उन्होंने शहर के बड़े बकायादारों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

समय पर ऑनलाइन दर्ज करायें रिकार्ड

उन्होंने कहा कि करदाताओं को उनके बकाया एवं देय कर की जानकारी ई पालिका के माध्यम से उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे लोक अदालत में अपने करों का भुगतान कर नियमानुसार मिलने वाली छूट का लाभ प्राप्त कर सकें। साथ ही सभी जोनों के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हुए अधिक से अधिक करदाताओं को लोक अदालत के माध्यम से कर भुगतान के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने नगर निगम में जमा होने वाले संपत्ति कर एवं अन्य करों की रसीदों की ऑनलाइन एंट्री प्रतिदिन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन रिकॉर्ड समय पर दर्ज होने से राजस्व संबंधी जानकारी अद्यतन रहेगी तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना को कम किया जा सकेगा। एवं सभी वार्ड प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे छूटे हुए मकानों एवं संपत्तियों का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए, जिन पर अभी तक संपत्ति कर निर्धारित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि चिन्हांकित संपत्तियों का नियमानुसार सर्वे कर उन्हें कर के दायरे में लाने की कार्रवाई की जाए। बैठक के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी निलेश चतुर्वेदी, राजस्व निरीक्षक रवि प्रकाश मिश्रा के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारियों मौजूद रहे।

भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी सेवा करने वाली पार्टी : सांसद रीवा

सेवा संकल्प अभियान को लेकर अटल कुंज में कार्यशाला आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

भाजपा कार्यालय अटल कुंज में सेवा संकल्प अभियान को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किये गये विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का जन जन तक पहुचाने का संकल्प लिया गया। यह सेंवा संकल्प अभियान का कार्यक्रम 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक निरंतर जारी रहेगा और बूथ स्तर पर मनाया जायेगा। 17 सितम्बर को नरेन्द्र मोदी जी के सेवा के 25 वर्षो के कार्यकाल के उपलक्ष्य में बूथ स्तर पर प्रत्येक हितग्राही के घर में दीपक जलाया जायेगा। जिसमें भाजपा जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, मोर्चा प्रकोष्ठ, मातृशक्ति कार्यकर्ता शामिल रहेगे। सेवा संकल्प अभियान के कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि यह एक माह का जो कार्यक्रम है इसमें अधिक से अधिक लोग सम्मिलित होकर मनाना है।

भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी सेवा करने वाली पार्टी है जिसमें आप करोना काल में ही देख लिये है। करोना में दवा से लेकर खाद्य वितरण तक करने का काम भारतीय जनता पार्टी ने किया है। जन सेवा हमारे खून में है। भाजपा सिर्फ चुनाव लड़ने की पार्टी नही है यह सेवा की पार्टी है। सेवा संकल्प अभियान के कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि जन सेवा ही प्रभु सेवा है। 17 सितम्बर को नरेन्द्र मोदी के सेवा के 25 वर्षो के कार्यकाल के उपलक्ष्य में बूथ स्तर पर प्रत्येक हितग्राही के घर में दीपक जलाया जायेगा।

इस कार्यशाला में अगामी दिनों में मुख्य कार्यक्रम आशीर्वाद का दीया, 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत, नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, यात्रा का स्वागत (काशी से वड़नगर - वड़नगर से काशी), सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, रंगोली राष्ट्र, जन सेवक महाकुंभ कार्यकम होगें। स्वागत भाषण कार्यक्रम संयोजक जिला महामंत्री उमाशंकर पटेल ने किया व संचालन सह संयोजक सूर्यप्रताप तिवारी द्वारा किया गया।सेवा संकल्प अभियान के कार्यशाला में प्रमुख रूप से जिला प्रभारी रवीन्द्र चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती मनीषा पाठक, गौरव तिवारी, पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी, के पी त्रिपाठी, पन्नाबाई प्रजापति, विन्ध्य विकास प्राधिकार उपाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व प्रदेश मंत्री राजेश पाण्डेय, पूर्व जिलाध्यक्ष विद्याप्रकाश श्रीवास्तव, कार्यक्रम संयोजक उमाशंकर पटेल, वरिष्ठ नेता राम सिंह, महाबली गौतम, राजेन्द्र ताम्रकार, अनिल पटेल राजेन्द्र त्रिपाठी, जिला महामंत्री विवेक गौतम, जीवनलाल साकेत, जिला उपाध्यक्ष प्रबोध व्यास, शरद साहू, राजेश प्रताप सिंह, अशोक सिंह गहरवार, मनीषचन्द्र शुक्ला, जिला मंत्री बिजेन्द्र गौतम, प्राणेश ओझा, कल्पना पटेल, सुमन शुक्ला, गीता मांझी, रविराज विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष वासुदेव ठारवानी, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष श्रीमती साधना गुप्ता, माया सिंह, अंजू मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि नगर पालिक निगम रमाशंकर गुप्ता, नारायण मिश्रा, विमलेश मिश्रा, विभा पटेल, राजगोपाल मिश्रा चारी, प्रदेश सह कोषाध्यक्ष महिला मोर्चा पूर्णिमा तिवारी, नेता प्रतिपक्ष नगर निगम, दीनानाथ वर्मा, संजय द्विवेदी, विपिन मिश्रा, अम्बुज रजक, समीर शुक्ला, सतीश सोनी, अमरेश पाण्डेय, मो. इमरान, प्रवीण त्रिपाठी, राजेश यादव, भूपेन्द्र सिंह, शिवम द्विवेदी, गौरव पाण्डेय, हेमलता सिंह, सीताराम साकेत, बालेन्द्र शेखर चतुर्वेदी, मनोज पटेल, राजेन्द्र शुक्ला, दारा सिंह, जय प्रताप सिंह, सूरज केवट, अमित तिवारी, नजमा बेगम, प्रदीप सिंह, वैभव सिंह, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सूर्या को मिली मानव अधिकार में आयोग मित्र की जिम्मेदारी

रीवा, नगर संवाददाता।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग, भोपाल के अध्यक्ष, सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. ए.पी. सिंह द्वारा स्वतंत्र पत्रकार तथा सामाजिक कार्यकर्ता सचिन शर्मा 'सूर्या' को मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग,भोपाल में रीवा से आयोग मित्र बनाया गया है। मानव अधिकारों के संरक्षण, आमजन की समस्याओं को सामने लाने तथा जरूरतमंद लोगों की आवाज संबंधित मंच तक पहुंचाने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी माना जा रहा है। सचिन सूर्या ने अपनी इस नियुक्ति पर आयोग के अध्यक्ष डॉ. ए.पी. सिंह के प्रति आभार प्रकट किया है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग द्वारा समय-समय पर आयोग मित्रों के माध्यम से जिलों में मानव अधिकारों से जुड़े विषयों को लोगों तक पहुंचाने और आयोग से जोड़ने की व्यवस्था की जाती रही है।

संपादकीय

'आधा गिलास खाली'

5 सितंबर को 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षकों को 'नियति का निर्माता' करार दिया है, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों से मुलाकात की। उनके साथ हल्के-फुल्के पल भी जिए। बच्चों के संदर्भ में स्क्रीन टाइम और नशे की लत से बचाने की नसीहत भी दी। इसी दिन प्रख्यात श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स का 'शताब्दी समारोह' भी मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने छात्रों की युवा पीढ़ी, जेन-जी, को संबोधित भी किया। अपेक्षा थी कि प्रधानमंत्री शिक्षा, स्कूल, परीक्षा और रोजगार पर सरकार की नीतियों और विचाराधीन कार्यक्रमों, योजनाओं पर कुछ साझा करेंगे, लेकिन उनका संबोधन 2013 की स्थितियों और 'आधा गिलास खाली' की राजनीति पर ही केंद्रित रहा।

प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि 2014 से पहले का कालखंड निराशा, हताशा के दलदल में फंसा था, घोटाले चरम पर थे, विकास फर्श पर और महंगाई अर्श पर थी। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप इंटरनेट खोल कर सब कुछ पढ़ और जान सकते हैं कि तब हालात क्या थे? दरअसल हमारा सवाल यहीं उभरता है कि क्या अध्ययनरत छात्रों का यही सरोकार होना चाहिए? उन्हें शिक्षा, परीक्षा, रोजगार के प्रति आश्वस्त नहीं किया जाना चाहिए था? प्रधानमंत्री का संबोधन था, न कि एक विशुद्ध राजनेता छात्रों के साथ संवाद! देश में स्कूली शिक्षा और आधारभूत ढांचे का यथार्थ देखें तो 2014-25 के दौरान 1.02 लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं और 1.04 लाख स्कूलों में एक ही अध्यापक है। क्या वह अपने शिक्षक-धर्म को निभा सकता है? करीब 70,000 स्कूलों में शौचालय की सुविधा नहीं है, 55083 स्कूलों में लाइब्रेरी नहीं है, 4.08 लाख स्कूलों में कम्प्यूटर की व्यवस्था नहीं है, 46345 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है और देश के 48 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों से ही शिक्षित होने को बाध्य हैं। करीब 48 फीसदी छात्र 12वीं कक्षा तक पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। ऐसे यथार्थ में हम एक पर्याप्त पढ़ी-लिखी, हुनरमंद जेन-जी की पीढ़ी कैसे पैदा कर सकते हैं? ऐसे कई आंकड़े प्रधानमंत्री मोदी के ध्यान में होंगे!

बहरहाल, छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सरकार की खूब गालबजाई की। पहली तिमाही की विकास दर 7.8 फीसदी को 'अतुलनीय' और वैश्विक करार दिया। प्रधानमंत्री ने करीब 60 करोड़ जन-धन खातों, देश की 50 फीसदी आबादी के बैंक खातों, करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए के मोबाइल निर्यात, करीब 2 लाख करोड़ रुपए के रक्षा उत्पादन और करीब 40,000 करोड़ रुपए के रक्षा-निर्यात, रेलवे के 100 फीसदी विद्युतीकरण के साथ-साथ नक्सलवाद के खात्मे और 'दिमागी नक्सल' की होम्योपैथिक गोली आदि का भी उल्लेख किया। ये उल्लेख प्रधानमंत्री करते भी रहे हैं तथा किसी और मौके पर जिक्र कर सकते थे। रोजगार के संदर्भ में सिर्फ यही कहा-'अवसर पैदा हो रहे हैं।' प्रधानमंत्री यह भी जानते होंगे कि केंद्र सरकार में अब भी 8,23,556 स्वीकृत पद खाली पड़े हैं। रक्षा मंत्रालय और रेलवे में ही करीब 2.41 लाख पद रिक्त हैं। सरकार इन पदों पर नियुक्तियां क्यों नहीं करती? आखिर देश की अर्थव्यवस्था 4.15 ट्रिलियन डॉलर की है और यह सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था भी हैं। गौरतलब यह भी है कि 2005-23 के दौरान 21 राज्यों में कुल 220 परचे लीक हुए, नतीजतन करीब 10 करोड़ छात्र उनसे प्रभावित हुए। 'शिक्षक दिवस' कुल 1 करोड़ से अधिक अध्यापकों, शिक्षकों को समर्पित घोषित किया जाता है। यदि प्रधानमंत्री भी शिक्षा, स्कूल, परीक्षा, रोजगार की बात नहीं करेंगे, तो पूर्व राष्ट्रपति राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अधूरी और रस्मी ही होगी।

री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है

कॅरियर की अंधी दौड़ में हांफती युवा पीढ़ी!

प्रो. संजय द्विवेदी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है।

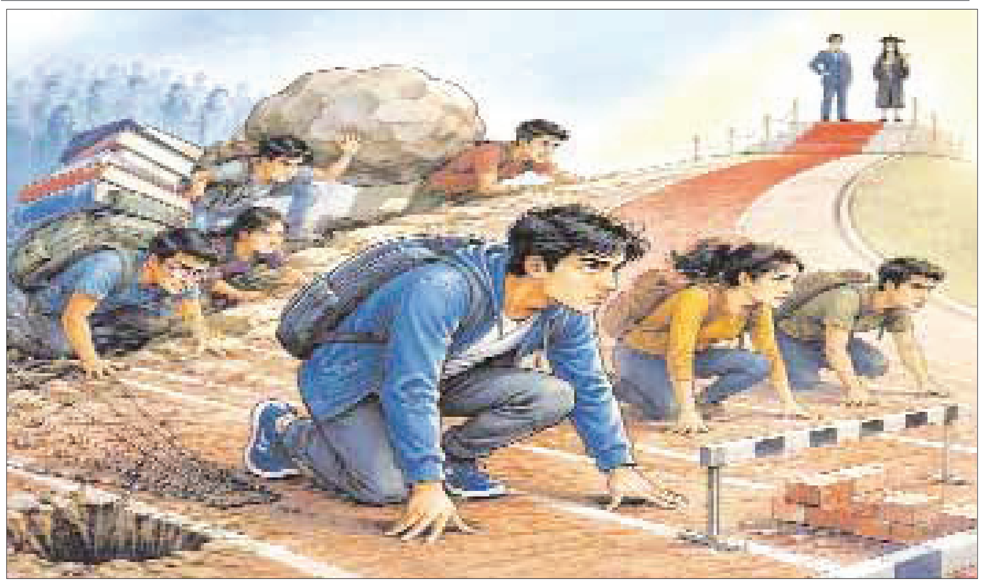

भारत युवाओं का देश है। जाहिर है ऐसे देश की चिंताएं बहुत अलग होती हैं। उसकी ज्यादातर आबादी को शिक्षा, रोजगार और सुंदर जीवन की कामना होती है। उनकी महत्वाकाक्षाएं, अवसरों की होड़ और दौड़। पाने की खुशी और न मिलने का आक्रोश सब साझा होते हैं। करियर में सफल होने, जल्दी और ज्यादा पाने की कामनाएं इस दौर का मूल्य हैं। ऐसे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को गहरी चुनौती है। संकट के बादल गहरे हैं। समाधान के सूत्र न्यूनतम।

बदलती कार्य संस्कृति

सरकारों में नौकरियों के दरवाजे सिकुड़ रहे हैं। ज्यादातर नौकरियां निजी क्षेत्रों में ही हैं। नौ से पांच बजे की पक्की नौकरियां अब स्वप्न ही हैं। उनकी जगह गिग इकोनामी (फ्री लांस, कांट्रैक्ट वर्क) ने ले ली है। आर्थिक स्वतंत्रता की तो छोड़िए यह माडल भविष्य की अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता भी ला रहा है, जिसके नाते बढ़ता मानसिक तनाव और अवसाद संकट को गहरा कर रहा है। हिंदुस्तान अलग तरह से चलता रहा है। परिवार इसकी प्राणवायु रहे हैं। परिवार का कोई एक आदमी नौकरी पर रहता था, शेष अपने घर-इलाके-गांव में बैठकर स्थानीय स्तर पर जो कर सकते थे करते थे। परिवार की छाया में सुरक्षा थी, संरक्षण था, बच्चों को संस्कारित करने के पारिवारिक उपक्रम थे। नई व्यवस्था ने एक परिवार में कई परिवार खड़े कर दिए हैं। इससे एक की जगह अब चार परिवार, चार चूल्हे और चार व्यवस्थाएं खड़ी करनी पड़ रही है। आप कितना भी कमा रहे हैं वह कम ही है। इसने नई पीढ़ी को ईएमआई के दुष्चक्र में फंसा कर नई व्यवस्थाओं का गुलाम बना दिया है। परिवार व्यवस्था भारत की संस्कृति का आधार रही है। वह संस्कारशाला भी है। नएस्थान तलाशें

कार्य और जीवन का संतुलन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है। इससे मानसिक थकान होना स्वाभाविक ही है। इस समय सबसे बड़ी चिंता कार्य और जीवन संतुलन की है। वर्क फ्राम होम और डिजिटल कनेक्टिविटी ने सारा कुछ बदलकर रख दिया है। काम के घंटे अब प्राय: 24 घंटे ही हैं। देर रात तक ई-मेल, रिर्पोट्स और मैसेज का जवाब देते हुए युवा 'आलवेज आन' मोड में रहते हैं। जिससे पारिवारिक जीवन, व्यक्तिगत समय और नींद सब प्रभावित हो रही है। बर्नआउट की बढ़ती दर, काम के अनिश्चित घंटे, स्पर्धा का वातावरण और टारगेट पूरे करने का दबाव साथ चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्लूएचओ) ने बर्नआउट को प्रोफेशनल बीमारी मान लिया है। यह अब भारतीय कारपोरेट जगत में एक अनिवार्य समस्या बन गयी है।

सोशल मीडिया से बनती छवियां

सोशल मीडिया ने समाज में अलग तरह की स्पर्धा की छवियां प्रस्तुत की हैं। अपने सुखद, आनंद के क्षणों को वायरल करने की बीमारी दूसरे की पीड़ा का कारण बन जाती है। किसी की बड़ी पदस्थापना, उसकी पार्टियां, रील्स, पर्यटन की तस्वीरें, महंगी जीवनशैली का विज्ञापन करना, सफलताओं के हाईलाइट्स देखकर तुलना और स्पर्धा की बातें तेज होती हैं। इससे हीनभावना और तनाव का जन्म भी होता है। परिजन और बच्चे भी अपने पालकों से ऐसी ही जीवन शैली की अपेक्षा करते हैं। ऐसे समय में युवाओं के लिए तनाव प्रबंधन की विधियां समझने और उन्हें जीवन की ठोस सच्चाइयों से जोड़ने की जरूरत है। योग, ध्यान के अनेक अभ्यास जीवन में शांति ला सकते हैं। जिंदगी के हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तन ला सकते हैं। रील्स की तुरंतवादी जीवनशैली और जीवन के सतत संघर्ष को समझने की जरुरत है।सोशल मीडिया से प्रक्षेपित हो रही छवियों से प्रभावित होने के बजाए, लोगों के संघर्ष और उससे उपजी सफलताओं के पाठ भी पढ़े जाने चाहिए।

उद्यमिता और उसके जोखिम

नए समय ने युवाओं को उद्यमिता के गुर दिए हैं। यह पीढ़ी जोखिम उठाने और सफलताओं के नए शिखर छूने वाली पीढ़ी है। इसके मंत्र अलग हैं। वे जल्दी से सफलताओं के नए क्षितिज को छूना चाहते हैं। छू भी रहे हैं। कम आयु में उनकी सफलताएं विस्मित करने वाली हैं। उनके स्टार्टअप धूम मचा रहे हैं। सफलता की बड़ी कहानियां लिख रहे हैं। प्रेरित कर रहे हैं। इसके दूसरे पक्ष का विचार भी जरूरी है। हमें पता है कि 90 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप शुरुआती सालों में ही अन्यान्य कारणों से विफल हो जाते हैं। विफलता का डर, निवेशकों का दबाव, फंडिंग का संकट संस्थापकों और शुरुआती कर्मचारियों में मानसिक तनाव पैदा कर ही देता है।

इतने बड़े देश में हर साल लाखों युवा हाथ काम मांगने के लिए खड़े हो जाते हैं। उनके पास डिग्रियां भी होती हैं। किंतु वे कौशल युक्त नहीं होते। वे डिग्रीधारी हैं किंतु किसी काम के नहीं हैं। बाजार की जरूरतें अलग हैं, उनके कौशल अलग हैं। ऐसे में बहुत योग्य लोगों को भी अपेक्षित नौकरी नहीं मिल पाती, अच्छे वेतन की तो जाने ही दीजिए। युवाओं के ज्यादातर संकट वास्तविक हैं। वे जानकारी से भरपूर हैं, उनके पास अवसरों का जनतंत्र है। आकांक्षाओं की बाढ़ है। वे सूचनाओं से लदे-फंदे हैं। यह ज्यादा सूचनाएं भी दुख और भ्रम का कारण बन रही हैं। आकांक्षाओं का बड़ा आकाश उतनी ही गहरी निराशा लेकर लाता है। यह साधारण नहीं है कि आईआईटी के विद्यार्थी आत्महत्या कर रहे हैं। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का अवसान उनके परिवार,देश और समाज के लिए भी बड़ी क्षति है। परीक्षाओं में मिलती असफलताएं, लीक होते प्रश्नपत्र, परीक्षाओं की नष्ट होती शुचिता, सरकारी- प्रशासनिक तंत्र की कदाचार रोकने की विफलताओं ने युवाओं को गहरी चिंताएं दी हैं। शिक्षा के निजीकरण और उससे उपजे बाजारीकरण ने हालात बहुत बदल दिए हैं। महंगी शिक्षा के लिए परिवार कर्ज में डूब रहे हैं। प्रतिभा पलायन का संकट तो है ही। समाज में यह बात बहुत गहरे पैठ रही है इस देश में प्रतिभाशाली युवाओं की जगह नहीं बची है। यह तथ्य नहीं किंतु गहराई से फैलती धारणा है। आप बिना जुगाड़ के इस व्यवस्था में सफल नहीं हो सकते। किसी राष्ट्र जीवन में ऐसी धारणाएं ठीक नहीं हैं। हमें समझना होगा कि राष्ट्र से हम सबकी सामूहिक आकांक्षाएं,साझे प्रयासों से ही फलीभूत होंगी। भारत की आजादी के आठ दशक अभूतपूर्व प्रगति, एकत्व और जीवंत लोकतंत्र के प्रमाण हैं। हर राष्ट्र जीवन में चुनौतियां होती हैं, उससे जूझकर हम अपने संकटों का हल खोजते हैं। देश की युवा पीढ़ी भी अपने संकटों के बीच इस राष्ट्र जीवन के समक्ष उपस्थित प्रश्नों के ठोस और वाजिब हल जरुर तलाशेगी। युवा शक्ति की तेजस्विता, नवाचारों और आत्मविश्वास को देखकर यह विश्वास सहज ही होता है।

हनुमान अंश : भारत की जड़ों से संवाद करती फिल्म

सुरेश हिंदुस्तानी
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत को समझना हो तो उसकी जड़ों तक जाना होगा और भारत की जड़ों को समझना हो तो उसकी आध्यात्मिक चेतना को अनुभव करना होगा। इसी चेतना का एक उज्ज्वल प्रतिबिंब है 'हनुमान अंश'। यह केवल एक फिल्म नहीं, भारतीय जीवन-दर्शन की उस धारा का सिनेमाई रूप है, जो मनुष्य को उसकी मिट्टी, उसकी आस्था, उसकी संस्कृति और उसकी आत्मिक पहचान से जोड़ती है। भारत वह भूमि है, जिसकी आत्मा प्रकाश में रमी हुई है। 'हनुमान अंश' इसी प्रकाश का एक चलचित्र है। इसकी चमक केवल पर्दे पर दिखाई देने वाली रोशनी नहीं, बल्कि दर्शक के भीतर जागने वाली अनुभूति है। यही कारण है कि यह फिल्म धीरे-धीरे दर्शकों के मन में स्थान बनाती गई और देखते ही देखते एक असाधारण सिनेमाई घटना में परिवर्तित हो गई। फिल्म की यात्रा भी अपने आप में एक कहानी है। शुरुआत में इसका प्रदर्शन सीमित रहा। प्रचार का विस्तार भी अपेक्षाकृत छोटा था। पहले दिन इसकी कमाई लगभग दस लाख रुपये रही और शुरुआती सप्ताह में भी इसकी गति साधारण रही। लेकिन भारतीय समाज की एक विशेषता है, जब कोई कथा उसके मन की गहराई को छू लेती है, तब उसके प्रचार का माध्यम स्वयं समाज बन जाता है। यही 'हनुमान अंश' के साथ हुआ। दर्शकों ने फिल्म देखी, अनुभव की और फिर उसके बारे में अपने परिवार, मित्रों और परिचितों से बात की। धीरे-धीरे वर्ड ऑफ माउथ ने वह काम किया, जिसे बड़े प्रचार अभियान भी हमेशा नहीं कर पाते। शो बढ़ने लगे, दर्शकों की संख्या बढ़ी और तीसरे-चौथे सप्ताह तक फिल्म ने ऐसी छलांग लगाई कि व्यापार विश्लेषक भी इसकी गति को असाधारण मानने लगे। एक रिपोर्ट के अनुसार चौथे सप्ताह तक फिल्म भारत में 70 करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी थी और इसके शो शुरुआती संख्या से कई गुना बढ़ गए। आज उपलब्ध बॉक्स ऑफिस आंकड़े इस यात्रा को और अधिक प्रभावशाली बनाते हैं। लगभग 2 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने 100 करोड़ के आसपास की कमाई का आंकड़ा पार किया है। यह अनुपात अपने आप में भारतीय सिनेमा के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। यहाँ प्रश्न केवल कमाई का नहीं है। असली प्रश्न है दर्शकों ने इसमें ऐसा क्या देखा, जो उन्हें बार-बार सिनेमाघर तक ले गया? उत्तर शायद इसकी कथा की आत्मीयता में छिपा है। 'हनुमान अंश' नीम करोली बाबा के जीवन और आध्यात्मिक प्रभाव से प्रेरित फिल्म है। उनके जीवन में भक्ति, सेवा, प्रेम, करुणा और मानवता के भाव प्रमुख रहे। फिल्म ने इन्हीं भावों को केंद्र में रखकर एक ऐसी कथा प्रस्तुत की, जिसमें आध्यात्मिकता जीवन से अलग दिखाई देने वाली अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन को अर्थ देने वाली अनुभूति बन जाती है।

आज का युवा संसार अत्यंत तीव्र गति से बदल रहा है। तकनीक, सोशल मीडिया, प्रतिस्पर्धा और उपलब्धियों की दौड़ ने जीवन की गति बढ़ाई है। ऐसे समय में मन को ठहराव देने वाली कथा, आत्मा को स्पर्श करने वाला विचार और अपनी सांस्कृतिक स्मृतियों से जोड़ने वाला अनुभव स्वाभाविक रूप से आकर्षण पैदा करता है। 'हनुमान अंश' की लोकप्रियता में इसी भावभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका दिखाई देती है। कुछ विश्लेषणों ने भी इसकी सफलता को ऐसी कहानियों के प्रति दर्शकों की बढ़ती रुचि से जोड़ा है, जो उन्हें शांति और अपनी संस्कृति से जुड़ाव का अनुभव देती हैं। इस सफलता ने भारतीय फिल्म उद्योग के सामने एक महत्वपूर्ण विचार भी रखा है कि बजट फिल्म की भव्यता रच सकता है, लेकिन दर्शकों का प्रेम उसकी आत्मा तय करता है। बड़े सितारे, विशाल सेट, महंगा प्रचार और भारी निवेश अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, किंतु अंततः सिनेमा दर्शक के हृदय में स्थान बनाकर ही दीर्घजीवी होता है। 'हनुमान अंश' ने सीमित संसाधनों के साथ जिस तरह दर्शकों तक अपनी पहुँच बनाई, वह इस बात का उदाहरण है कि कहानी में आत्मीयता हो, भाव में प्रामाणिकता हो और विषय समाज की चेतना से जुड़ा हो, तो दर्शक स्वयं उसके सबसे प्रभावशाली प्रचारक बन जाते हैं। इसी समय बड़े बजट की कुछ फिल्मों का अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन भी चर्चा में रहा। 'टॉक्सिक' और 'बंटवारा 1947' जैसी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन की तुलना में 'हनुमान अंश' की यात्रा ने बजट और दर्शक-स्वीकृति के संबंध पर नए सिरे से विमर्श को जन्म दिया है।

सबसे महत्वपूर्ण संकेत इसके दर्शक वर्ग से मिलता है। युवा पीढ़ी का इस तरह की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कथा की ओर आकर्षित होना भारतीय समाज की बदलती रुचियों का संकेत माना जा सकता है। यह परिवर्तन केवल फिल्म की सफलता तक सीमित नहीं है। यह उस सांस्कृतिक आत्मविश्वास की ओर संकेत करता है, जिसमें आधुनिकता के साथ अपनी जड़ों के प्रति सम्मान भी समान रूप से उपस्थित है। यही 'हनुमान अंश' की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इसने दर्शकों को केवल एक फिल्म नहीं दी, बल्कि एक अनुभव दिया- अपनी मिट्टी को देखने का, अपनी परंपरा को महसूस करने का और अपनी सांस्कृतिक स्मृति से संवाद करने का अनुभव। सिनेमा के पर्दे पर चलती तस्वीरें कुछ घंटों में समाप्त हो जाती हैं, लेकिन कुछ कथाएँ दर्शक के भीतर आगे चलती रहती हैं। 'हनुमान अंश' ऐसी ही कथा बनती दिखाई दे रही है। इसलिए इसकी सफलता को केवल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों में देखना अधूरा होगा। इसकी वास्तविक सफलता उस क्षण में है, जब कोई युवा सिनेमाघर से बाहर निकलकर अपने भीतर एक प्रश्न, एक अनुभूति और अपनी जड़ों से जुड़ने की एक नई आकांक्षा लेकर लौटता है। 'हनुमान अंश' भारत की उस जड़ का स्पर्श है, जिससे उसकी चेतना सदियों से पोषित होती आई है। यह उस प्रकाश की एक किरण है, जिसमें भारत स्वयं को पहचानता है।

भारत बनेगा अगला सऊदी...80000 बैरल तेल हर दिन!

अभिनय आकाश

मिडिल ईस्ट जल रहा है। रूस यूक्रेन युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है और इन सबके बीच भारत की धड़कनें तेज हैं। क्योंकि हम अपनी जरूरत का 89त्न तेल विदेशों से मंगाते हैं। अगर कल सप्लाई रुक गई तो भारत थम जाएगा। आपने अक्सर सुना होगा कि राजस्थान की रेतीली जमीन पर जीवन जीना कितना कठिन है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यही तपता हुआ थार रेगिस्तान आने वाले समय में भारत की एनर्जी सिक्योरिटी यानी ऊर्जा सुरक्षा का सबसे बड़ा किला बनने जा रहा है। एक ऐसी जगह जहां पानी मिलना मुश्किल था। वहां अब काला सोना यानी क्रूड ऑयल उबल रहा है। भारत को अपनी रफ्तार बनाए रखने के लिए हर दिन लगभग 50 लाख यानी 5 मिलियन बैरल कच्चे तेल की जरूरत होती है। लेकिन कड़वा सच यह है कि हम अभी अपनी जरूरत का 85त्न हिस्सा विदेशों से आयात करते हैं। चाहे वह मिडिल ईस्ट के देश हो या रूस के। हाल ही में हमने देखा कि स्टेट ऑफ हॉर्मोज में तनाव की वजह से वैश्विक तेल सप्लाई कितनी बुरी तरह प्रभावित हुई है। दुनिया का 1/5 हिस्सा तेल और गैस इसी रास्ते से आता है। जब भी वहां कोई संकट आता है भारत की इकॉनमी पर दबाव बढ़ जाता है। रूस पर लगे प्रतिबंधों ने सप्लाई चेन को अनिश्चित बना दिया।

दुनिया का 1/5 हिस्सा तेल और गैस इसी रास्ते से आता है। जब भी वहां कोई संकट आता है भारत की इकॉनमी पर दबाव बढ़ जाता है। रूस पर लगे प्रतिबंधों ने सप्लाई चेन को अनिश्चित बना दिया। ऐसे में सवाल यह उठा कि क्या भारत हमेशा दूसरों के भरोसे रहेगा? और इसी सवाल का जवाब छिपा है राजस्थान के रेतीली धोरों में। दरअसल राजस्थान के बाड़मेर बेसिन में साल 2004 में तेल के बड़े भंडार मिले थे। इन्हें नाम दिया गया मंगला भाग्यम और ऐश्वर्या यानी कि एमबीए। यह सिर्फ नाम नहीं है। यह भारत की उम्मीदें हैं। यहां करीब 1 बिलियन बैरल तेल का भंडार है। आपको जानकर हैरानी होगी कि अकेले मंगला फील्ड से अब तक 500 मिलियन बैरल तेल निकाला जा चुका है। आज भारत के कुल घरेलू तेल उत्पादन का लगभग 20त्न हिस्सा अकेला इसी क्षेत्र से आता है। लेकिन अब यहां एक चुनौती खड़ी हो गई थी। पुराने कुओं से तेल निकलना मुश्किल होता जा रहा था और उत्पादन 51,000 बैरल प्रतिदिन पर सिमट गया था। लेकिन अब लक्ष्य है इसे 80,000 बैरल प्रतिदिन तक ले जाना। चुनौतियां यह थी कि जो तेल बचा है वह बहुत गाढ़ा और चिपचिपा है। वह आसानी से बाहर नहीं आता है। इसे निकालने के लिए भारत अब दो वर्ल्ड क्लास टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहा है। पहली टेक्नोलॉजी है एएसपी। इसमें जमीन के अंदर खास तरह के केमिकल्स डाले जाते हैं जो तेल की चिपचिपाहट को कम कर देते हैं और तेल आसानी से पाइप के जरिए ऊपर आ जाता है।

इसमें जमीन की गहराई में बेहद गर्म भाप भेजी जाती है। इसमें जमा हुआ तेल पिघल जाता है और उसे पंप करना आसान हो जाता है। जैसलमेर में इस तकनीक का ट्रायल इतना सफल रहा कि वहां उत्पादन में 70त्न की बढ़ोतरी देखी गई। अब यही फार्मूला पूरे राजस्थान के तेल क्षेत्रों में लागू किया जा रहा है। सिर्फ तेल निकालना काफी नहीं होता है दोस्तों। उसे साफ करना यानी रिफाइन करना बहुत जरूरी है और अभी तक यह तेल टैंकरों के जरिए गुजरात की कोयाली रिफाइनी भेजा जाता था। लेकिन अब खेल बदलने वाला है। राजस्थान के बाड़मेर में एचपीसीएल द्वारा एक विशाल रिफाइनरी बनाई जा रही है।

ऑडिटरों का ऑडिट क्या भगवान करेगा?

मध्यप्रदेश शासन की ट्रेजरी में इफमिस यानी इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम के जरिए 600 करोड़ का घोटाला पकड़ा गया है जिसमें से 220 करोड़ की रिकवरी हो चुकी है जबकि बाकी 380 करोड़ की रिकवरी की कोशिश जारी है। इधर जबलपुर के मेडिकल कॉलेज में बरसों से कुछ कैशियर मरीजों की पर्ची काटकर पैसा जेब में रखते जा रहे थे। कुछ माह पहले ये भी चर्चा में था कि जिले के स्वास्थ्य अधिकारी महोदय ने कई फर्मों को लाखों का भुगतान कर दिया मगर दवाएं स्टोर तक पहुँची ही नहीं। खैर स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बड़े विभागों में तो ये आम है लेकिन अब दूसरे विभागों में भी गबन और वित्तीय गड़बड़ियों के कई मामले सामने आये हैं। भले ही मध्यप्रदेश पर बीमारू राज्य का लेबल लगा हो लेकिन मध्यप्रदेश सरकार कम्प्यूटर के उपयोग में काफी आगे रही है। अन्य राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश में ट्रेजरी का कम्प्यूटरीकरण बहुत साल पहले ही हो चुका है। कर्मचारियों का वेतन या पेंशन हो, वेतन निर्धारण हो, या बिल पेमेंट हों सभी का भुगतान इफमिस के माध्यम से ही किया जा रहा है। इसलिए पहले तो खरीदी और भर्ती में ही घपले किये जाते थे लेकिन अब इफमिस ने काम आसान कर दिया है। कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत हो तो पासवर्ड का आदान प्रदान करके जितनी राशि जिस खाते में भेजना हो, कम्प्यूटर के दो चार बटन दबाने से ही हो जाता है। न फाइलों की अफरा तफरी, न बड़े बाबू के दस्तखत और न ही न साहब की मंजूरी। आजकल छापों का दौर है और जब तब लोकायुक्त, एसीबी या ईडी के छापों में सरकारी महकमों में करोड़ों के घोटाले पकड़े जा रहे हैं। ये सब जानते हैं कि हर सरकारी दफ्तर में समय समय पर ऑडिट की अनिवार्य परम्परा है मगर क्या वजह है कि बाल की खाल निकालने वाली ऑडिट पार्टी दफ्तरों में जारी पैसों की हेरा फेरी पकड़ने में नाकाम रहती है। दरअसल किसी भी ऑडिट पार्टी का दौरा बहुत व्यस्त रहता है। ऑडिटर पहले से ही अफसरों को इत्तिला दे देते हैं कि हम आ रहे हैं हमारी खाने पीने से लेकर दान दक्षिणा तक की जिम्मेदारी तुम्हारी है साथ ही ये ताकीद भी दे देते हैं कि स्वागत सत्कार जबरदस्त होना चाहिये वरना फिर समझ लेना और उसके बाद शुरू होता है असली खेल । अफसरों के खर्चे पर शानदार होटल में आराम, सुबह शाम बढ़िया खाना, लोकल टूरिस्ट स्पॉट की सैर और मनपसंद खरीददारी वगैरह में इतना टाइम गुजर जाता है कि दफ्तरों के कागजात बारीकी से जांच करने का टाइम ही नहीं मिलता। अगर थोड़ी बहुत गड़बड़ी पर नजर पड़ भी जाए तो अफसर तुरन्त नकद नारायण से सेवा कर देता है और ऑडिटर भूल चूक माफ की भावना से ओतप्रोत होकर गलतियां माफ करता चलता है। सालों साल ऑडिट होते रहते हैं और भूल चूक माफ होती रहती है। स्वागत सत्कार से ऑडिटर भी खुश, और बढ़िया ऑडिट रिपोर्ट से अफसर भी खुश। इसीलिए ऑडिट भी बदस्तूर होते रहते हैं और पैसों की हेरा फेरी भी चलती रहती है। अगर सरकार को वाकई घपले घोटाले पकड़ने की चिन्ता है तो ऑडिटरों का ऑडिट करके देख ले, सारी पोल खुल जाएगी। अगर अफसरों के साथ ऑडिटरों को भी सजा होने लगे तो घोटालों का स्कोप ही खत्म हो जायेगा। लेकिन क्या ये संभव है इस बात पर उस गाने की पंक्तियां याद आ जाती हैं नहीं नहीं कभी नहीं , अभी करो इंतजार।

इलाज जारी है

राजधानी के मारुति मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में एक व्यक्ति का इलाज दो दिन तक लगातार चलता रहा आप बोलेंगे इसमें कौन सी बड़ी बात है अस्पताल में इलाज नहीं चलेगा तो क्या डांस होगा? लेकिन भाई साहब आपको ये नहीं मालूम कि जिस व्यक्ति का इलाज इस अस्पताल के डॉक्टर कर रहे थे उसकी मौत दो दिन पहले हो चुकी थी और वे मुर्दे का इलाज कर रहे थे सिर्फ इसलिए कि आयुष्मान योजना के तहत मिलने वाला पैसा सरकार से वसूल कर सके, लोग बाग कहते हैं कि डॉक्टर भगवान होते हैं शायद यही कारण था कि अस्पताल के डॉक्टर अपने आप को भगवान समझकर उस मुर्दे में जान फूंकने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि यह माना जाता है कि अगर ईश्वर चाहे तो मृत व्यक्ति भी जिंदा हो सकता है, बाद में जब इस घपलेबाजी की पोल खुली तो अस्पताल सील कर दिया गया, लेकिन अपना मानना है कि इस केस में ना तो अस्पताल का दोष है और ना ही डाक्टरों का,सारा दोष है तो उस मरीज का है जो आयुष्मान के भरपूर पैसे दिए बिना ही ईश्वर को प्यारा हो गया अरे भाई कुछ दिन और रुक जाते तो ऐसा क्या गजब हो जाता, अस्पताल को भरपूर पैसा मिल जाता, फिर मर जाते, किसी को कोई चिंता नहीं होती लेकिन जब पूरा पैसा नहीं मिलेगा तो फिर मुर्दे का इलाज तो करना ही पड़ेगा और वो ही इस अस्पताल के डॉक्टर कर रहे थे। एक और खास बात पता लगी है कि एक व्यक्ति को कब्ज की शिकायत थी, पेट साफ नहीं हो रहा था। उसने ना तो हरा पुदीना लिया, ना कायम चूर्ण की फक्की मारी, ना त्रिफला घोलकर सुबह सुबह पिया , सीधा इसी अस्पताल में पहुंच गया और भाई को डाक्टरों ने भी उसे सीधा आईसीयू में भर्ती करवा दिया उनका मानना था कि बहुत ही खतरनाक बीमारी होती है कब्ज, पेट फूल सकता है, पेट फट सकता है, आँतें गड़बड़ा सकती हैं बड़ी आंत छोटी आंत के ऊपर चढ़ सकती है, लिवर डैमेज हो सकता है, किडनी में भी असर हो सकता है इसलिए आईसीयू में भर्ती करना बहुत जरूरी है ।अब सरकार अस्पताल की जांच कर रही है और पता लगा रही है कि ऐसे ऐसे चमत्कार इस अस्पताल में और कब-कब हुए हैं।

नेता कब दोषी माने गए

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई लगभग 20 लोगों की मौत के बाद इस मामले की बड़ी गहराई के बाद जांच शुरू की गई, काफी टाइम लग गया जांच में, क्योंकि एक-एक बिंदु की जांच करना जरूरी था और अब जांच रिपोर्ट आ चुकी है और इस जांच रिपोर्ट में तमाम जनप्रतिनिधियों को क्लीन चिट देकर ये बताया गया है कि सारी गलती अफसरों की थी। बेचारे जनप्रतिनिधियों को तो यह पता ही नहीं था कि यहां प्रदूषित पानी है ये बात अलग है कि वहां के रहवासी तीन महीने से इस बात की शिकायत अफसरों और जनप्रतिनिधियों से कर रहे थे लेकिन नेता तो नेता होता है ना उसका कोई दोष ना तो कभी था,ना कभी है और ना कभी होगा और फिर जांच करने वालों को भी मालूम है कि अपने को जब काम पड़ेगा तो नेता ही काम आएंगे,रही अफसरों की बात तो सचिवालय में अटैच कर दिए जाएंगे और दो-चार महीने में फिर बेहतरीन पोस्टिंग पाकर अपना काम शुरू कर देंगे यानी कि साँप भी मर गया और लाठी भी नहीं टूटी जांच की जांच हो गई कुछ लोग निर्दोष बरी हो गए कुछ लोगों पर दोष मढ़ दिया गया लेकिन अपने को मालूम है कि जिन पर दोष मढ़ा गया है उनका भी कुछ नहीं बिगड़ने वाला और जिन पर दोष नहीं आया उनका तो वैसे ही कुछ नहीं बिगड़ रहा हम भी खुश तुम भी खुश, जनता जाए भाड़ में और फिर जिनकी आ ही गई थी उनको कौन बचा सकता है जांचें इसी तरह की फिलासफी पर काम करती है।

सुपर हिट ऑफ द वीक

प्यास लगी है, पानी लेके आओ श्रीमानजी ने श्रीमती जी से कहा- मैं तो सोच रही थी कि क्यों ना आज तुम्हें मटर पनीर और शाही पुलाव बनाकर खिलाऊं?

वाह-वाह! सुनकर ही मुंह में पानी आ गया श्रीमानजी ने खुश होकर कहा

आ गया ना मुंह में पानी? बस, अब इसी से काम चला लो! श्रीमती जी ने उत्तर दिया

संक्षिप्त समाचार

अमन शर्मा बॉक्सिंग अकादमी में चयनित

ग्वालियर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशन में जिला खेल परिसर में संचालित बॉक्सिंग फीडर सेंटर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी अमन शर्मा को मप्र राज्य बॉक्सिंग अकादमी भोपाल में चयनित किया गया है। बॉक्सिंग फीडर सेंटर के कोच नितिन जाटव ने बताया कि अमन शर्मा बॉक्सिंग फीडर सेंटर में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। बीते दिनों बॉक्सिंग अकादमी में प्रवेश के लिए भोपाल में आयोजित हुई चयन ट्रायल में अपनी प्रतिभा से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया और बॉक्सिंग अकादमी में अपनी जगह सुनिश्चित की। अमन शर्मा की इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी डॉ. अरविंद सिंह राणा, मप्र राज्य महिला हॉकी अकादमी के प्रभारी प्रशासक हितेन्द्र सिंह पाल तथा मोतीलाल कुशवाह सहित अन्य अधिकारियों व खेल प्रशंसकों ने हर्ष व्यक्त किया और अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक बताया।

22 भाषाओं में होगी विकसित भारत क्विज

ग्वालियर। जिले के युवा 30वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव–विकसित भारत युवा संवाद में भाग ले सकते हैं। 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के लिए माय भारत पोर्टल पर 22 भाषाओं में विकसित भारत क्विज आयोजित की जा रही है। इसमें भारत, भारतीय विरासत, उपलब्धियों, विकास यात्रा और विकसित भारत 2047 से जुड़े विषयों पर युवाओं के ज्ञान एवं समझ का परीक्षण होगा। विकसित भारत चुनौती ट्रैक के तहत चयनित युवाओं को विभिन्न चरणों से गुजरना होगा। पहला चरण क्विज 30 सितंबर तक, दूसरा चरण निबंध 5 से 9 अक्टूबर, तीसरा चरण जिला क्विज एवं प्रस्तुतीकरण 10 से 16 नवंबर, चौथा चरण राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 17 नवंबर से 7 दिसंबर तथा अंतिम चरण राष्ट्रीय संवाद 10 से 12 जनवरी 2027 तक आयोजित होगा। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित युवाओं को प्रधानमंत्री के समक्ष अपने विचार, विजन और सुझाव प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। क्विज में भाग लेने के लिए ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य है।

अच्छे नागरिक तैयार करने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण

ग्वालियर। एफएलएन प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को शुरू हुआ, यह कार्यक्रम 9 सितंबर तक चलेगा। उद्घाटन सत्र में ग्वालियर एवं शिवपुरी जिले से मास्टर ट्रेनर्स के रूप में आए प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए सीईओ जिला पंचायत सोजान सिंह रावत (आईएएस) ने संवाद–शैली में शिक्षकों से एफएलएन प्रशिक्षण की महत्ता, बाल–अधिगम में इसकी प्रभावशीलता, समसामयिक ज्वलंत चुनौतियों के समाधान हेतु शिक्षकों की तैयारी और विद्यार्थियों के एक अच्छे नागरिक के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका विषय पर सारगर्भित चर्चा की।

पूर्व सांसद शेजवलकर ने उठाया विकास राशि के दुरुपयोग का मुद्दा, सांसद कुशवाह ने किया समर्थन

भाजपा जिला कार्यसमिति में महापौर और एमआईसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यसमिति की बैठक सोमवार को श्याम वाटिका में जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। बैठक में पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर द्वारा ग्वालियर के विकास के लिए केंद्र और राज्य से मिलने वाली राशि के कथित दुरुपयोग का मुद्दा उठाए जाने के बाद महापौर और नगर निगम की एमआईसी के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित किया गया।

सरकार की उपलब्धियां और राजनीतिक प्रस्ताव

जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने अध्यक्षीय संबोधन में सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। जिला महामंत्री धर्मेंद्र तोमर ने राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सतत राष्ट्रसमर्पण के लिए अभिनंदन किया गया। पश्चिम बंगाल में विजय तथा असम और पुडुचेरी में पुन: विजय के लिए प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बधाई दी गई। नक्सलवाद के उन्मूलन में अमित शाह के नेतृत्व की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव को भी बधाई दी गई।

विकास और निवेश के आंकड़े रखे

प्रस्ताव में बताया गया कि प्रदेश की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि 10.69 प्रतिशत रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30.77 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले, जिनसे 21.40 लाख रोजगार सृजन का दावा किया गया। निर्यात में 6 प्रतिशत वृद्धि तथा प्रदेश को एक वर्ष में सर्वाधिक निवेश प्रस्ताव पाने वाले राज्यों में तीसरे स्थान पर बताया गया। जल संरक्षण के तहत 10,514 करोड़ रुपए की लागत से 63 हजार कार्य पूर्ण होने, जबकि उद्योग क्षेत्र में 8.73 लाख करोड़ रुपए के निवेश के धरातल पर आने की जानकारी दी गई।

किसान, गो-पालन और सड़क नेटवर्क

प्रदेश सरकार द्वारा 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाए जाने का उल्लेख करते हुए कहा गया कि 84 लाख किसानों को सम्मान निधि तथा किसान कल्याण योजनाओं के तहत एक लाख करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं। गो–पालन के अंतर्गत चार लाख से अधिक गोवंश के पालन और आहार राशि दोगुनी किए जाने की जानकारी दी गई। दुग्ध संकलन का लक्ष्य 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख लीटर किया गया है। प्रदेश में पांच लाख किलोमीटर सड़क नेटवर्क और अगले पांच वर्षों में एक लाख किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण का लक्ष्य भी बताया गया।

महिला, युवा और स्वास्थ्य क्षेत्र पर जोर

प्रस्ताव में 471 केंद्रों पर बेटियों के एचपीवी टीकाकरण, महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण, 62 लाख ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, पीएम श्री विद्यालयों के लिए 530 करोड़ रुपए तथा महाविद्यालयों में दो हजार से अधिक पद सृजित करने की जानकारी दी गई। सात लाख युवाओं को ऋण दिए जाने, मेडिकल कॉलेजों तथा एमबीबीएस और पीजी सीटों में वृद्धि का भी उल्लेख किया गया। अब तक 4.43 करोड़ आयुष्मान कार्ड वितरित करने और 58 लाख से अधिक लोगों के लाभान्वित होने का दावा किया गया।

नगर निगम पर उठे सवाल

पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर ने कहा कि ग्वालियर के विकास के लिए केंद्र और प्रदेश से मिलने वाली राशि का महापौर और एमआईसी द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र और राज्य से आवंटित तथा ग्वालियर में खर्च राशि का मदवार ब्यौरा सार्वजनिक करने की मांग की। सांसद भारत सिंह कुशवाह ने उनके वक्तव्य का समर्थन करते हुए कार्यकारिणी में महापौर और एमआईसी के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव लाने की मांग की। जिलाध्यक्ष ने इसे स्वीकार किया। पूर्व जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी द्वारा रखा गया प्रस्ताव सदस्यों ने ॐ के उच्चारण के साथ दोनों हाथ उठाकर पारित किया।

अन्य प्रस्ताव और संगठनात्मक कार्यक्रम

पूर्व जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संगठन संबंधी सुझाव दिए। बैठक में अभय चौधरी, कमल मांखीजानी, अशोक जादौन, अशोक शर्मा, रामवरण सिंह गुर्जर, सुधीर गुप्ता,हरीश मेवाफरोश ,जय सिंह कुशवाह, डॉ. नीतेश शर्मा,नीलिमा शिंदे आदि कार्य समिति सदस्य उपस्थित रहे । संचालन राजू पलैया ने एवं आभार महिला मोर्चा अध्यक्ष करुणा सक्सेना ने व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन हुआ।

2300 लीटर स्प्रिट कांड में नया खुलासा

पेट्रोल में 15 से 20 प्रतिशत स्प्रिट-थिनर मिलाते थे आरोपी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

ग्वालियर-शिवपुरी हाईवे स्थित महाकाल पंडित ढाबे से 2300 लीटर स्प्रिट बरामद होने के मामले में पूछताछ के दौरान चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। आबकारी विभाग के अनुसार ढाबे पर पेट्रोल में 15 से 20 प्रतिशत तक स्प्रिट और थिनर मिलाए जाने की बात सामने आई है। कार्रवाई के बाद गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को न्यायालय ने 15 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। आबकारी विभाग ने रविवार को ढाबे पर छापा मारकर 12 प्लास्टिक ड्रमों में रखी करीब 2300 लीटर स्प्रिट (इथेनॉल ओ.पी.) जब्त की थी। प्रारंभिक जांच में इसे मानव सेवन के लिए अनुपयुक्त पाया गया। मौके से बीयर और देशी शराब सहित कुल 61.32 बल्क लीटर मदिरा भी बरामद हुई थी।

कार्रवाई में अनिल शर्मा निवासी मोहना, सौरभ गुर्जर निवासी कराहल, श्योपुर और अरबाज खान निवासी मोहना को गिरफ्तार किया गया। तीनों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1), 34(2) एवं 49-क के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

विभाग के मुताबिक बरामद स्प्रिट से करीब 32 लाख रुपए कीमत की अवैध एवं अमानक शराब तैयार किए जाने की आशंका थी। स्प्रिट, शराब और अन्य सामग्री की कुल कीमत करीब 50 लाख रुपए आंकी गई है। मौके पर ड्रमों में पेट्रोल और थिनर भी मिला। पेट्रोल में स्प्रिट-थिनर मिलाने के मामले की जानकारी आबकारी विभाग ने एसडीओपी एवं थाना प्रभारी घाटीगांव को दे दी है। वहीं, गिरफ्तार आरोपी सौरभ गुर्जर के खिलाफ श्योपुर में पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी भी सामने आई है। अब पुलिस और आबकारी विभाग पूरे नेटवर्क की पड़ताल में जुटे हैं।

जलालपुर से कच्ची हाथ भट्टी मदिरा जब्त

सोमवार को जलालपुर कंजर डेरा क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए झाड़ियों एवं गंधयुक्त पात्रों में छिपाकर रखी गई कच्ची हाथ भट्टी मदिरा जब्त की गई। कार्रवाई के दौरान टीम ने अवैध रूप से तैयार की जा रही एवं संग्रहित कच्ची हाथ भट्टी मदिरा तथा शराब निर्माण से संबंधित सामग्री को बरामद किया। मौके पर अवैध शराब जब्त करने के साथ–साथ आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(अ) एवं 34(1)(च) के तहत दो अपराध पंजीबद्ध किए गए हैं।

इनका कहना है

आरोपियों पर पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल सभी को न्यायायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। ढाबे पर पेट्रोल में 15 से 20 प्रतिशत तक स्प्रिट और थिनर मिलाए जाने की बात सामने आई है।

राजेश तिवारी , सहायक जिला आबकारी अधिकारी

जयविलास पैलेस में स्टोरीज ऑफ चंबल का आयोजन 12 को

ग्वालियर। चंबल की पहचान को केवल बीहड़ों और अतीत की कहानियों तक सीमित न रखकर उसके इतिहास, प्रकृति, जैव विविधता, कला और यहां के लोगों की जीवनशैली को सामने लाने के उद्देश्य से जयविलास पैलेस में स्टोरीज ऑफ चंबल का आयोजन किया जाएगा। इसका विशेष प्रातःकालीन सत्र 12 सितंबर को होगा। शुरुआत पद्मश्री के.के. मुहम्मद के एंशिएंट चंबल सत्र से होगी, जिसमें चंबल की पुरातात्विक और ऐतिहासिक विरासत पर चर्चा होगी। वन्यजीव फोटोग्राफर शवांग मेहता वाइल्ड चंबल में जैव विविधता और वन्यजीव संरक्षण पर बात करेंगे। इसमें राउंड ग्लास सस्टेन की लघु फिल्म भी दिखाई जाएगी। विजुअल चंबल सत्र में फोटोग्राफर प्रशांत पंजार अपने कार्य के माध्यम से चंबल का दृश्य संसार प्रस्तुत करेंगे। अंतिम सत्र ह्यूमन चंबल में मलखान सिंह और संरक्षणवादी-लेखिका भावना मेनन चंबल के लोगों और समुदायों के बदलते संबंधों पर चर्चा करेंगे।

एमआईटीएस में राष्ट्रीय हैकाथॉन का समापन

12 राज्यों की 59 टीमों के 217 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

माधव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, डीम्ड यूनिवर्सिटी (एमआईटीएस-डीयू) के इंटरनेट ऑफ थिंग्स केंद्र के अंतर्गत आईईईई इंडस्ट्री एप्लीकेशंस सोसाइटी एवं आईईईई रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन सोसाइटी छात्र शाखाओं द्वारा आयोजित 36 घंटे के राष्ट्रीय हैकाथॉन हैकसिनैप्स 2026 का समापन गत दिवस हुआ। आयोजन में देशभर से तकनीकी नवाचारों पर काम करने वाले विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।हैकाथॉन के लिए 1,780 पंजीकरण हुए, जिनमें से 350 टीमों को स्क्रीनिंग और 60 को ग्रैंड फिनाले के लिए चुना गया। फिनाले में 12 राज्यों की 59 टीमों के 217 प्रतिभागियों ने ओपन इनोवेशन, एआई और ब्लॉकचेन विषयों पर समाधान विकसित किए। टीएटी, भुवनेश्वर की टीम नेक्सिस एज ने कृषि परीक्षण एवं निगरानी रोबोट एग्रीवैद्य के लिए प्रथम स्थान हासिल कर 21 हजार रुपए जीते। एमआईटीएस-डीयू की टीम एएससीई 12 हजार रुपए के साथ प्रथम उपविजेता और जेएनसीटी भोपाल की टीम राइड गार्जियन 7 हजार रुपए के साथ द्वितीय उपविजेता रही। विशेष पुरस्कारों में टेकगुरुज को सर्वश्रेष्ठ यूआई/यूएक्स, सिंटैक्स एरर को सामाजिक प्रभाव, कोडनोवा को तकनीकी क्षेत्र में महिला सहभागिता और स्मार्ट ग्रिड गार्ड को जनता की पसंद का पुरस्कार मिला। डॉ. मनीष दीक्षित ने प्रतिभागियों को वास्तविक समस्याओं के सरल एवं व्यावहारिक तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए प्रेरित किया। आयोजन में डॉ. प्रवीण बंसल, डॉ. रजनी रंजन मकवाना सहित विशेषज्ञ और निर्णायक मौजूद रहे।

ऑपरेशन अमानत में यात्री का 40 हजार नकद सहित सामान बरामद

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

रेलवे सुरक्षा बल ने ट्रेन से गिरा यात्री का सामान बरामद कर उसके रिश्तेदार को सौंप दिया। सोमवार को रेल मदद से मिली सूचना के आधार पर आरपीएफ की टीम ने ग्वालियर-सिथौली के बीच किमी 1223/23 पर ट्रैक किनारे से एक ट्रॉली बैग और हैंड बैग बरामद किया। सफारी कंपनी के ट्रॉली बैग में 12 जोड़ी कपड़े, दवाइयां और 40 हजार रुपए नकद मिले, जबकि लाल रंग के हैंड बैग में खाने-पीने का सामान था।

यह सामान सचखंड एक्सप्रेस के कोच ए-1 की बर्थ नंबर 20 पर यात्रा कर रहे यात्री अर्पित त्रिपाठी का था। आरपीएफ टीम ने यात्री से संपर्क किया। यात्री ने ई-मेल के माध्यम से अपनी रिश्तेदार संध्या भारद्वाज को सामान लेने के लिए भेजा। इसके बाद संध्या भारद्वाज आरपीएफ पोस्ट पहुंचीं। पहचान एवं सत्यापन के बाद वीडियो कॉल के जरिए यात्री को सामान दिखाकर बैग सुपुर्द कर दिया।

'एंजॉय विद गन्नू जी' कला प्रदर्शनी 8 से

ग्वालियर। तानसेन कलावीथिका, पड़ाव में 'एंजॉय विद गन्नू जी' 8वीं कला प्रदर्शनी का आयोजन 8 से 10 सितंबर तक किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य कला, संस्कृति और पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। 8 सितंबर को शाम 6:15 बजे अतिथियों के स्वागत के बाद दीप प्रज्वलन और गणेश वंदन होगा। शाम 6:45 बजे प्रदर्शनी का उद्घाटन तथा 7 बजे से कला कृतियों का अवलोकन और संवाद होगा।9 सितंबर को दोपहर 3:30 से शाम 5:30 बजे तक चित्रकला एवं मूर्तिकला प्रतियोगिता होगी। इसके बाद अतिथियों और निर्णायकों का सम्मान तथा प्रतिभागियों की कृतियों का मूल्यांकन किया जाएगा। 10 सितंबर को शाम 3:30 से 4:30 बजे तक पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमा निर्माण का प्रदर्शन एवं कार्यशाला होगी। शाम 4:45 बजे चित्रकला प्रदर्शनी और शाम 6 बजे से पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के अनुसार प्रदर्शनी में चित्रकला, मूर्तिकला, कार्यशाला और अन्य गतिविधियां शामिल होंगी।

स्मार्ट सिटी का दायरा फिर बढ़ेगा, अब चार्जिंग स्टेशन से टैक्स वसूली तक संभालेगी जिम्मेदारी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन लिमिटेड की भूमिका को फिर विस्तार देने की तैयारी शुरू हो गई है। अब कंपनी केवल शहर के स्मार्ट प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि आवास, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग, पार्किंग, ट्रैफिक, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और नगर निगम की राजस्व व्यवस्था से जुड़े कामों में भी तकनीकी भूमिका निभाएगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। दरअसल 18 अगस्त को भोपाल में ग्वालियर समेत भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, सागर और सतना स्मार्ट सिटी के सीईओ की बैठक हुई थी। इसमें अधिकारियों ने शहरों में स्मार्ट सिटी की आगामी भूमिका को लेकर प्रजेंटेशन दिए। इसके बाद नई जिम्मेदारियों को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।स्मार्ट सिटी को सरकारी जमीनों का चिन्हांकन कर वहां इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन और पार्किंग की संभावनाएं तलाशनी होंगी। ग्रामीण क्षेत्रों से बेहतर कनेक्टिविटी पर भी फोकस रहेगा। नगर निगमों के साथ मिलकर प्रॉपर्टी टैक्स, यूजर चार्ज और अन्य राजस्व की बिलिंग, कवरेज और कलेक्शन बढ़ाने के लिए तकनीकी समाधान तैयार किए जाएंगे। नगरपालिका और नगर परिषद क्षेत्रों में जमीन चिन्हित कर आवास एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े प्रोजेक्ट तैयार करने की जिम्मेदारी भी स्मार्ट सिटी को दी गई है। इसके अलावा रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के आसपास उपलब्ध शासकीय जमीन का पीपीपी मॉडल पर व्यावसायिक उपयोग करने की संभावनाएं भी तलाशनी होंगी। इससे खाली सरकारी जमीन के बेहतर इस्तेमाल के साथ नए प्रोजेक्ट विकसित करने की योजना है।

फिजियोथेरेपी दिवस आज, थेरेपी से मरीजों को मिल रहा लाभ

स्ट्रोक-स्पाइन की चोट से थमे कदम, फिजियोथेरेपी से फिर बढ़े

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

ब्रेन स्ट्रोक के बाद शरीर का एक हिस्सा निष्क्रिय हो गया हो, रीढ़ की हड्डी की चोट के कारण पैर जवाब दे चुके हों या किसी हादसे के बाद हाथ-पैरों की ताकत चली गई हो। ऐसे मरीजों के लिए फिजियोथेरेपी अब सिर्फ व्यायाम नहीं, बल्कि दोबारा सामान्य जिंदगी की ओर लौटने की उम्मीद बन रही है। नियमित थेरेपी, सही एक्सरसाइज और पुनर्वास तकनीकों के जरिए कमजोर अंगों को धीरे-धीरे सक्रिय किया जा रहा है। कई मरीज जो चोट या बीमारी के बाद बिस्तर तक सीमित हो गए थे, अब खड़े होने और चलने की कोशिश कर पा रहे हैं।

जयारोग्य में रोज 150 मरीज, हर तीसरा न्यूरो-स्पाइन का

जयारोग्य चिकित्सालय समूह के फिजियोथेरेपी विभाग में प्रतिदिन 150 से ज्यादा मरीज उपचार और परामर्श के लिए पहुंचते हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. वैभव चौबे के अनुसार इनमें करीब 50 मरीज सिर या स्पाइन की चोट से जुड़ी समस्याओं के होते हैं। इन मरीजों में किसी के हाथ-पैर कमजोर होते हैं तो किसी को चलने, संतुलन बनाने या रोजमर्रा के काम करने में परेशानी होती है। ऐसे मरीजों को उनकी जरूरत के अनुसार विशेष एक्सरसाइज, न्यूरो-रिहैब तकनीक और ऑक्युपेशनल थेरेपी कराई जाती है।

चोट के बाद बंद हुई हरकत धीरे-धीरे लौटाई जा रही

सिर या रीढ़ की गंभीर चोट के बाद कई मरीजों की चलने–फिरने की क्षमता प्रभावित हो जाती है। ऐसे मामलों में थेरेपी का लक्ष्य सिर्फ मांसपेशियों को मजबूत करना नहीं होता, बल्कि मरीज को बैठने, खड़े होने, संतुलन बनाने और फिर चलने की क्षमता तक वापस लाना होता है।

घुटने से कमर तक, दर्द में भी बड़ी भूमिका

फिजियोथेरेपी का इस्तेमाल केवल ब्रेन स्ट्रोक या स्पाइन इंजरी वाले मरीजों तक सीमित नहीं है। कमर और गर्दन का दर्द, घुटनों का दर्द, स्पॉंडिलाइटिस, गठिया, जोड़ और मांसपेशियों में अकड़न, सर्जरी के बाद कमजोरी, मांसपेशियों की कमजोरी, चलने और संतुलन से जुड़ी समस्या शामिल हैं। इसके अलावा हृदय और फेफड़ों की कार्यक्षमता सुधारने, पार्किंसंस और स्ट्रोक से प्रभावित मरीजों के पुनर्वास में भी फिजियोथेरेपी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

समय पर शुरू हो जाए थेरेपी तो कई बार ऑपरेशन की नौबत नहीं

जिला अस्पताल मुरार में भी फिजियोथेरेपी सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है। यहां एडवांस फिजियोथेरेपी विभाग विकसित किया जा रहा है। अस्पताल के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. विजेंद्र धाकड़ के अनुसार प्रतिदिन करीब 60 मरीज फिजियोथेरेपी के लिए पहुंचते हैं। इनमें बड़ी संख्या कमर, गर्दन और घुटनों के दर्द से परेशान मरीजों की होती है। डॉ. धाकड़ के अनुसार कुछ मरीज ऐसे भी आए जिन्हें न्यूरोलॉजी संबंधी समस्या के कारण ऑपरेशन की सलाह दी गई थी। लेकिन शुरुआती स्तर पर नियमित फिजियोथेरेपी और उचित उपचार से उनकी स्थिति में सुधार हुआ और उन्हें ऑपरेशन की जरूरत नहीं पड़ी।

सरकारी राशन में गबन पर दो दुकानदारों पर प्राथमिकी

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के राशन में गड़बड़ी करने वालों पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। शहर की दो शासकीय उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न के गबन का मामला सामने आने पर खाद्य विभाग ने दोनों विक्रेताओं के खिलाफ पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई है। सहायक आपूर्ति अधिकारी सौरभ जैन के अनुसार दीपक प्राथमिक उपभोक्ता भंडार की उचित मूल्य दुकान के विक्रेता अयान खत्री ने 79.86 क्विंटल गेहूं, 19.69 क्विंटल चावल और 499 किलोग्राम नमक का गबन किया। इसकी कुल कीमत 3 लाख 25 हजार 825 रुपए आंकी गई है।

वहीं लोहमंडी प्राथमिक उपभोक्ता भंडार के विक्रेता राहुल खत्री पर 100.07 क्विंटल गेहूं, 23.53 क्विंटल चावल, 208 किलोग्राम नमक और 58 किलोग्राम क्विंटल के गबन का आरोप है। खाद्यान्न की कुल कीमत 4 लाख 60 हजार 60 रुपए है। दोनों विक्रेताओं के खिलाफ थाना ग्वालियर में ईसी एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 0472 और 0473 दर्ज किए गए हैं। खाद्य विभाग ने प्रकरण भी पंजीबद्ध कर लिया है। जिलाधीश रुचिका चौहान ने स्पष्ट किया है कि राशन वितरण में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। दुकानों का अभियान चलाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। गबन की राशि संबंधित विक्रेताओं से भू-राजस्व बकाया की तरह आरआरसी के माध्यम से वसूल की जाएगी।

काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहें है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

पर्सनल स्पेस में प्रोफेशनल लाइफ हो रही है हावी तो इन टिप्स को करें फॉलो

वर्क-फॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग मॉडल के चलते प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ खराब होने लगी है। कंपनी को ऐसा लगता है कि वर्क-फॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग के कारण वह अपने इंप्लाई को कभी भी फोन कर सकते हैं और उन्हें कभी भी काम करने को कह सकते हैं। ऐसे में मजबूरी में अपनी नौकरी को बचाने के लिए इंप्लाई को ओवरटाइम काम करना पड़ता है। यहीं कारण है जिसके कारण पर्सनल लाइफ के लिए आजकल के युवा को समय नहीं मिलता है और उनकी लाइफ में दिक्कत आने लगती हैं। हालांकि कुछ टिप्स को अपनाकर आप भी अपने पर्सनल और प्रोफेशनल जीवन को अलग रख सकते हैं।

शेड्यूल बनाएं

अगर आप वर्क-फॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग के तौर पर काम कर रहे हैं तो आपको समय पर लॉग इन करना चाहिए और समय पर ही लॉग आउट करना चाहिए। अगर आपका बॉस आपको रोजाना ओवरटाइम काम करने को कह रहा है तो आपको उसकी शिकायत करनी चाहिए।

ब्रेक लें

वर्क-फॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग में आपको काम के साथ बीच- बीच में ब्रेक लेते रहना चाहिए। आधे घंटे का ब्रेक लेकर आप खुद के काम को कर सकते हैं। इससे आपको खुद के लिए भी समय मिलता रहेगा।

परिवार के लिए समय

कई बार ऑफिस का काम होने के बाद लोग अपने फोन यानी सोशल मीडिया में व्यस्त हो जाते हैं। हालांकि आपको स्क्रीन टाइम कम करने पर ध्यान देना चाहिए। बचा हुआ समय आपको परिवार को देना चाहिए या फिर आप नई चीजों को सीखने के लिए भी समय निकाल सकते हैं।

काउंसलिंग लें

अगर आप इन चीजों को फॉलो करने के बाद भी अपनी प्रोफेशनल लाइफ को पर्सनल स्पेस से अलग नहीं रख पा रहे हैं तो आपको काउंसलिंग लेने की जरूरत है। काउंसलिंग की मदद से आप अपने प्रोफेशनल लाइफ को पर्सनल स्पेस में हावी नहीं होने देगें।

नाश्ते में बनाएं राजस्थानी वड़ा गलगल का अचार और पौष्टिक चीला

गलगल का अचार

क्या चाहिए – गलगल- 2 किलो, हरी मिर्च- 250 ग्राम, अदरक- 250 ग्राम, सरसों का तेल- 200 मि.ली, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर- 2 बड़े चम्मच, हल्दी पाउडर- 1 बड़ा चम्मच, हींग- 1/2 छोटा चम्मच, अजवाइन- 2 बड़े चम्मच, मेथी दाना- 1 बड़ा चम्मच, काला नमक- 2 बड़े चम्मच, सादा नमक- 1 बड़ा चम्मच, शक्कर- 200 ग्राम।

ऐसे बनाएं – एक बड़े बर्तन में पानी को तेज़ आंच पर गर्म करें। उबाल आने पर साबुत गलगल (नींबू) डालकर 3-4 मिनट उबालें। पानी निथारकर गलगल को पोंछकर सुखा लें। इनको एक इंच के टुकड़ों में काट लें और बीज निकाल दें। हरी मिर्च को एक इंच टुकड़ों में काटें। अदरक के भी एक इंच लंबे कतरे करें। पैन में सरसों का तेल मध्यम से तेज़ आंच पर गर्म करें। जब इसमें से धुआं निकलने लगे तो इसे आंच से हटा दें। तेल को दस मिनट तक ठंडा करें। इसमें लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, हींग, अजवाइन, मेथी दाने, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। फिर इसमें डालें गलगल, अदरक और हरी मिर्च। अच्छी तरह से मिलाकर जार में भरें। जार को 15-20 दिन के लिए धूप में रखें जब इसका रंग गहरा और नींबू मुलायम न हो जाए। तैयार अचार को पराठों, चीले आदि के साथ परोसें।

राजस्थानी पौष वड़ा

क्या चाहिए – चावली दाल- 1 कप, चना दाल- 1/2 कप, मूंग की धुली दाल- 1/2 कप, मेथी दाने- 2 छोटे चम्मच, साबुत धनिया- 2 छोटे चम्मच, धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, गरम मसाला- 1/2 छोटा चम्मच, हींग- 1/4 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, लौंग- 4, काली मिर्च- 5, हरी मिर्च- 3 कटी हुई, अदरक- 1/2 छोटा चम्मच कटी हुई, हरा धनिया- थोड़ा-सा कटा हुआ, नमक- स्वादानुसार, तेल- तलने के लिए।

ऐसे बनाएं – सभी दालों को रातभर अलग-अलग पानी में भिगोकर रखें। फिर इन्हें निथारकर दरदरा पीस लें। दालों को पीसते समय अगर पानी कम लगे तो 1-2 बड़े चम्मच पानी डाल सकते हैं। ज़्यादा पानी न डालें क्योंकि इससे घोल पतला हो जाएगा। लौंग, काली मिर्च, मेथी दाने और साबुत धनिया को भी अलग से दरदरा पीस लें। बोल में पीसी हुई दालें, पीसे हुए मसाले समेत सारी सामग्री डालें और अच्छी तरह मिलाएं। कड़ाही में तेल गर्म करें। एक-एक करके घोल के वड़े तेल में डालें। वड़ों को मध्यम आंच पर सुनहरा-भूरा और कुरकुरा होने तक तलें। चाय या हरी चटनी के साथ गर्मागर्म वड़े परोसें।

मेथी पालक चीला

क्या चाहिए – पालक- 1 कप कटी हुई, मेथी- 1/4 कप कटी हुई, हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ, पुदीना- 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ, हरी मिर्च- 1 कटी हुई, अदरक- 1/4 छोटा चम्मच कटी हुई, बेसन- 1 कप, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार, धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच, अजवाइन- 1/2 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, हींग- 1/4 छोटा चम्मच, तेल- सेंकने के लिए।

ऐसे बनाएं – बोल में बेसन, पालक, मेथी, मसाले समेत सारी सामग्री डालें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए घोल बनाएं। अब गर्म तवे पर तेल लगाएं और घोल से चीला फैलाएं। चीले पर तेल लगाते हुए दोनों तरफ़ से सेंकें। जब यह सुनहरा हो जाए तो इस पर कीसा हुआ पनीर और पसंदीदा चटनी लगाएं। इसे अचार के साथ भी परोस सकते हैं।

इन चार वजहों से मशीन वॉश करने के बाद कपड़ों पर नजर आते हैं सफेद दाग

कपड़े किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व की पहचान होते हैं। अगर हम साफ-सुथरे कपड़े पहनते हैं तो इससे हमारा फर्स्ट इंप्रेशन काफी अच्छा पड़ता है। यही कारण है कि लोग एक बार पहनने के बाद कपड़ों को मशीन वॉश करना पसंद करते हैं। लेकिन आपने कई बार देखा होगा कि जब आप कपड़ों को मशीन वॉश करते हैं तो अक्सर उनमें सफेद दाग नजर आते हैं। कपड़ों को धोने के बाद भी जब उन पर सफेद धारियां या धब्बे नजर आते है तो यकीनन मन में एक निराशा पैदा होती है। ऐसे में कपड़ों को दोबारा धोने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचता है। लेकिन कपड़ों के पूरे बैच को दोबारा धोना यकीनन काफी समय लेने वाला होता है। हालांकि, क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि मशीन में कपड़े धोने के बाद भी उनमें सफेद दाग क्यों नजर आते हैं। दरअसल, इसके पीछे कई वजहें जिम्मेदार हो सकती हैं।

पाउडर डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना

कपड़ों को धोने के बाद उन पर सफ़ेद दाग नजर आने का एक मुख्य कारण पाउडर डिटर्जेंट का उपयोग है। अक्सर पाउडर डिटर्जेंट मशीन के पानी में उस तरह से घुलता नहीं है जैसा उसे घुलना चाहिए, जिससे कपड़ों पर धारियां पड़ जाती हैं। इसलिए, अगर आप कपड़ों पर नजर आने वाले इस सफेद दाग की समस्या से छुटकारा पाना चाहती हैं तो पाउडर डिटर्जेंट से लिक्विड डिटर्जेंट पर स्विच करने पर विचार करें।

डिटर्जेंट का अधिक इस्तेमाल करना

कपड़ों का धोते समय डिटर्जेंट की मात्रा भी बहुत मायने रखती है। कई बार लोग बेहतर सफाई के चक्कर में जरूरत से ज्यादा डिटर्जेंट का इस्तेमाल करने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से अवशेष रह सकते हैं क्योंकि यह पूरी तरह से घुल नहीं सकता या धोने के दौरान बाहर नहीं निकल सकता। इसलिए, आप सीमित मात्रा में ही डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। अगर आपके कपड़ों पर किसी तरह के दाग है तो डिटर्जेंट की मात्रा बढ़ाने के स्थान पर पहले स्पॉट ट्रीटमेंट की मदद से दाग को क्लीन करें।

मशीन ओवरलोड होना

अमूमन लोग एक बैच में ज्यादा से ज्यादा कपड़े धोने की कोशिश करते हैं, जिससे समय की बचत हो सके। लेकिन वास्तव में इसका खामियाजा कपड़ों को भुगतना पड़ता है। ओवरलोड वॉशिंग मशीन पानी के फ्लो और ड्रेनेज को बाधित कर सकती है। इसलिए, डिटर्जेंट पूरे लोड तक नहीं पहुंच पाता है, जिससे कपड़े सही तरह से धुल नहीं पाते हैं। कपड़ों पर बची हुई गंदगी, झाग, धूल के कारण सफेद अवशेष रह जाते हैं। ऐसे में उन कपड़ों को दोबारा धोना पड़ता है। इसलिए, आप अपनी मशीन में बहुत ज़्यादा पानी न भरें, चाहे आपके पास समय की कमी क्यों न हो।

मशीन ड्रेनपाइप फ़िल्टर का बंद होना

अक्सर हमारा ध्यान इस ओर नहीं जाता है, लेकिन मशीन ड्रेनपाइप फ़िल्टर बंद हो जाने की स्थिति में लिंट, अघुलनशील डिटर्जेंट और गंदगी आपके कपड़ों पर फिर से जम सकती है। इसलिए, नियमित अंतराल पर फ़िल्टर को साफ़ करने का नियम बनाएं। जब आप ऐसा करते हैं तो आपके अधिक बेहतर साफ होते हैं।

खर्चों और सीमित आय के साथ खरीदें अपने सपनों का घर

घर ख़रीदना एक बहुत बड़ा निवेश है। ख़ासतौर पर उनके लिए जिनकी आय सीमित है। अधिकांश युवाओं का मासिक वेतन 15 हज़ार रुपये प्रति माह से शुरू होकर लगभग 3 वर्षों में 25 से 30 हज़ार रुपये प्रति माह तक पहुंचता है। इसी में कई ख़र्चे पूरे करने होते हैं जिसके बाद घर का सपना पूरा कर पाना लगभग नामुमकिन लगने लगता है। इसी वर्ग को ध्यान में रखकर हम एक ऐसी रणनीति तैयार करेंगे ताकि हर कोई अपने घर का सपना साकार कर सके।

बजट से शुरुआत

सबसे पहले अपना बजट बनाएं। इस बात का प्रयास करें कि प्रारंभ में आप ऐसा घर ख़रीदें, जो आपके बजट में आता हो। बाद में उसे बेचकर प्राप्त राशि को डाउन पेमेंट की तरह प्रयोग करते हुए बड़े घर के लिए बड़ा लोन लेने पर विचार कर सकते हैं।

क्षेत्र का चयन

आमतौर पर शहर के व्यस्त या विकसित इलाक़ों में घरों की क़ीमतें अधिक होती हैं। इसलिए ऐसे इलाक़ों की खोज करें जहां अभी क़ीमतें कम हैं, लेकिन अगले 5 वर्षों में बढ़ने की संभावनाएं हैं।

ऋण की पात्रता जांच लें

कोई भी बैंक घर या फ्लैट की क़ीमत का शत-प्रतिशत लोन नहीं देता है। लोन की राशि घर की क़ीमत के 80 से 90 फ़ीसदी तक हो सकती है। आपके वेतन से होने वाली कटौतियों को भी ध्यान में रखा जाता है। कुल कटौतियां 60 फ़ीसदी से अधिक न हों, कुछ मामलों में यह 70 फ़ीसदी तक स्वीकार की जा सकती हैं।

डाउन पेमेंट

अब प्रश्न यह है कि घर की क़ीमत और बैंक लोन के अंतर को कैसे पाटा जाए। इस उद्देश्य से इन विकल्पों पर विचार करें-

- यदि आपके पास स्वर्ण आभूषण हैं और वो लॉकर में रखे हैं, तो उन्हें काम पर लगाएं। गोल्ड लोन आसानी से और कम ब्याज पर मिल जाता है, जिससे प्राप्त धनराशि का उपयोग आप डाउनपेमेंट अथवा मार्जिन भरने के लिए कर सकते हैं।
- पोस्ट ऑफिस के एनएससी, बीमा पॉलिसी, बैंक का फिक्स्ड डिपॉज़िट, शेयर और म्यूचुअल फंड के आधार पर भी लोन लेकर आप धन जुटा सकते हैं।

ईएमआई से पहले सिप

यदि लोन लेने के लिए आपके पास कुछ भी उपलब्ध नहीं है, तो कुछ वर्षों के लिए लोन लेने के विचार को स्थगित करें। ईएमआई का तनाव लेने से अच्छा है कि आप हर महीने किसी अच्छे इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट की योजना बनाएं।

आवास योजना भी एक विकल्प है

यह पता लगाएं कि आपके शहर में विकास प्राधिकरण की एलआईजी और एमआईजी आय वर्ग के लिए क्या कोई आवास योजना है। प्राय: सभी बड़े शहरों में निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए आवास योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिन शहरों और क़स्बों में प्राधिकरण नहीं है, वहां हमें प्रधानमंत्री आवास योजना के विषय में पता करना चाहिए। अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम के अंतर्गत भी सस्ते घर बनाए जा रहे हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत बनाए जा रहे घरों की क़ीमतें काफ़ी किफ़ायती होती हैं।

ग्रैंड स्लैम में लगातार 18 मैच जीतने की लय बरकरार

अल्कराज ने अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया, अब बेन शेल्टन से भिड़ेंगे

कार्लोस अल्कराज यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

एजेंसी, न्यूयॉर्क

डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने न्यूयॉर्क में खेले जा रहे यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, आर्यना सबालेंका भी अगले राउंड में पहुंच गई है। मेंस सिंगल्स में अल्काराज ने अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया। इस जीत के साथ उनकी ग्रैंड स्लैम में लगातार 18 मैच जीतने की लय बरकरार रही। टूर्नामेंट में अब तक उन्होंने सिर्फ एक सेट गंवाया है। अल्काराज दाहिनी कलाई की चोट के कारण करीब चार महीने कोर्ट से दूर रहने के बाद लौटे है।अब क्वार्टर फाइनल में अल्काराज का सामना अमेरिका के 8वीं सीड बेन शेल्टन से होगा। शेल्टन ने स्टेफानोस सिटसिपास को 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई।

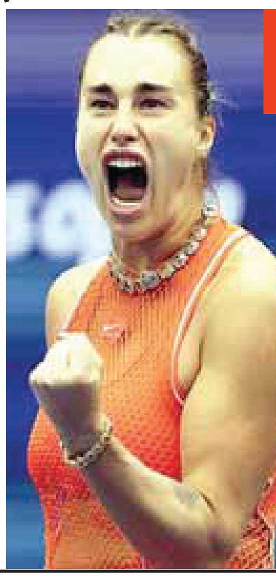

सबालेंका छठी बार यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

विमेंस सिंगल्स में सबालेंका ने अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को 6-4, 6-3 से मात दी। सबालेंका ने पहला सेट 6-4 से जीता। दूसरे सेट में 1-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार पांच गेम जीते और मैच अपने नाम किया। इस जीत के साथ सबालेंका लगातार छठी बार यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। अब उनका सामना छठी सीड और मौजूदा विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा से होगा। नोस्कोवा ने मार्ता कोस्ट्युक को 7-5, 5-7, 6-4 से हराया।

5 अमेरिकी मेंस प्लेयर अंतिम-16 में

यूएस ओपन के मेंस सिंगल्स में पांच अमेरिकी खिलाड़ी अंतिम-16 में पहुंचे थे। इनमें टॉमी पॉल, बेन शेल्टन, लर्नर टिएन, फ्रांसिस टियाफो और एलेक्स माइकलसन शामिल थे। यह 1995 के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम-16 में पहुंचने वाले अमेरिकी मेंस प्लेयर्स की सबसे बड़ी संख्या थी। इनमें से टियाफो, माइकलसन और शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। टियाफो ने पूर्व चैंपियन डेनियल मेदवेदेव को 7-6, 6-4, 7-6 से हराया, जबकि माइकलसन ने टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 7-6, 6-4, 6-4 से मात दी। अब टियाफो और माइकलसन क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होंगे, जिससे सेमीफाइनल में एक अमेरिकी खिलाड़ी का पहुंचना तय है। वहीं, बेन शेल्टन ने स्टेफानोस सिटसिपास को 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। अब उनका सामना डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज से होगा।

संक्षिप्त समाचार

पीटरसन इंग्लैंड की व्हाइट बॉल टीम के मेंटर बने

लंदन। इंग्लैंड ने पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को पुरुष व्हाइट-बॉल टीम का स्पेशलिस्ट मेंटर नियुक्त किया है। वे साउथ

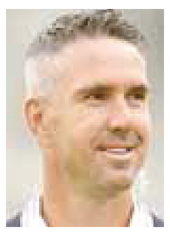

अफ्रीका में अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी में टीम के साथ काम करेंगे। पीटरसन इसी महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 इंटरनेशनल और वनडे सीरीज से ब्रेंडन मैकुलम की टीम के साथ जुड़ेंगे। कोचिंग टीम में मार्कस ट्रेस्कोथिक, टिम साउदी, जीतन पटेल और सारा टेलर भी शामिल हैं। पीटरसन ने टीम से जुड़ने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा- 'मुझे बेहद गर्व है कि इस टीम के वर्ल्ड कप जीतने के सफर में मदद करने के लिए मुझे कहा गया है।

महिला एशिया कप: पाक कप्तान सना पर लगा जुर्माना

दुबई। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना पर भारत के खिलाफ महिला एशिया कप मुकाबले के दौरान

शैफाली वर्मा को आउट करने के बाद विदाई इशारा करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। फातिमा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आचार संहिता के स्तर-1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। उन्होंने अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन किया, जो बल्लेबाज के आउट होने के बाद ऐसे शब्दों, हरकतों या इशारों से संबंधित है, जो उसे अपमानित करें या आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकते हैं।

जिम्बाब्वे को हराकर नाइजीरिया विश्वकप के लिए क्वालीफाई

दार एस सलाम। नाइजीरिया ने रोमांचक मुकाबले में जिम्बाब्वे को चार रन से हराकर अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप अफ्रीका क्वालीफायर का खिताब जीत लिया और अगले साल होने वाले मुख्य टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया। नाइजीरिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 98 रन बनाए। इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 19.5 ओवर में 94 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ नाइजीरिया ने क्वालीफायर अभियान में अपना अजेय रिकॉर्ड कायम रखा और अगले साल बांग्लादेश और नेपाल में होने वाले अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली अफ्रीका की दूसरी टीम बन गई। दक्षिण अफ्रीका पहले ही जगह बना चुका है।

दलीप ट्रॉफी फाइनल: ईशान ने 334 बॉल पर 270 रन बनाए, कुशाग्र का भी शतक

ईशान का दोहरा शतक, ईस्ट जोन ने पहली पारी में बनाए 708 रन

एजेंसी, चेन्नई

दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने दोहरा शतक लगाया। चेन्नई में साउथ जोन के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले में ईशान 334 गेंदों पर 270 रन बनाकर आउट हुए। ईस्ट जोन की टीम सोमवार को दूसरे दिन पहली पारी में 708 रन पर ऑलआउट हो गई।

ईशान ने 270 गेंदों में दोहरा शतक लगाया

ईशान ने 270 गेंदों में दोहरा शतक ठोका। ईशान ने 10 सालों के बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में ये कमाल किया। इससे पहले उन्होंने साल 2016 में रणजी ट्रॉफी में पहला दोहरा शतक लगाया था। ईशान ने दिल्ली के खिलाफ 273 रनों की पारी खेली थी। वे अबतक फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 10 शतक लगा चुके हैं।

ईशान किशन

ईशान थकान के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए थे

ईशान किशन 250 रन के स्कोर पर थकान के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए थे। 130.2 ओवर में एक रन लेने के बाद वे काफी थके हुए नजर आए। इसके बाद फिजियो ने मैदान पर आकर उनसे बातचीत की, जिसके बाद ईशान पवेलियन लौट गए। उस समय ईस्ट जोन का स्कोर 5 विकेट पर 611 रन था। हालांकि, टीम का 7वां विकेट गिरने के बाद ईशान दोबारा मैदान पर लौटे और अपनी पारी को आगे बढ़ाते हुए 270 रन बनाए।

कुशाग्र ने 101 रन बनाए

कुमार कुशाग्र ने ईस्ट जोन के लिए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 132 गेंदों पर 101 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। कुशाग्र 101 रन के स्कोर पर चामा मिलिंद की गेंद पर त्रिपुराना विजय के हाथों कैच आउट हुए।

बांग्लादेश को 3-0 से हराया, सीरिया की हार से मिली टूर्नामेंट में जगह

भारत 20 साल बाद एएफसी अंडर-20 एशियन कप में पहुंचा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय अंडर-20 फुटबॉल टीम ने 20 साल के लंबे इंतजार के बाद एएफसी अंडर-20 एशियन कप के मेन टूर्नामेंट में जगह बना ली है। भारत ने रविवार को ताशकंद में खेले गए ग्रुप-बी के आखिरी क्वालिफायर में बांग्लादेश को 3-0 से हराया। इसके बाद उज्बेकिस्तान ने सीरिया को भी 3-0 से मात दी, जिससे भारत 6 पॉइंट्स के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहते हुए क्वालिफाई कर गया। भारत ने आखिरी बार 2006 में इस टूर्नामेंट के मेन स्टेज में हिस्सा लिया था।

भारत ने 3 मैच में 2 जीत हासिल कीं: भारत ने क्वालिफाइंग राउंड में तीन मुकाबले खेले। टीम ने पहला मैच सीरिया के खिलाफ 1-0 से जीता था। इसके बाद उज्बेकिस्तान के खिलाफ उसे 0-4 से हार मिली। बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी मैच भारत के लिए करो या मरो जैसा था। जीत के साथ टीम के खाते में 6 अंक पहुंचे, लेकिन ग्रुप से क्वालिफिकेशन तभी पक्का होना था जब सीरिया, उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज न करे।

उज्बेकिस्तान ने सीरिया को हराया, भारत का टिकट पक्का

भारत की जीत के बाद सभी की नजर सीरिया और उज्बेकिस्तान के मुकाबले पर थी। उज्बेकिस्तान ने सीरिया को 3-0 से हरा दिया। इस नतीजे के बाद उज्बेकिस्तान 9 अंक के साथ ग्रुप-बी में पहले स्थान पर रहा। भारत 6 अंक के साथ दूसरे, सीरिया 3 अंक के साथ तीसरे और बांग्लादेश बिना अंक के चौथे स्थान पर रहा। भारत ने सात सर्वश्रेष्ठ उपविजेता टीमों में जगह बनाकर मुख्य टूर्नामेंट में प्रवेश किया। बांग्लादेश अपने तीनों मैच हारने के बाद डेवलपमेंट फेज में चला गया।

डेनी ने बढ़त दिलाई, विशाल ने एक्रोबेटिक गोल किया

बांग्लादेश के खिलाफ भारत ने शुरुआती मिनटों में धीरे-धीरे दबाव बनाना शुरू किया। 25वें मिनट में डेनी मैतेई लैशराम ने भारत को बढ़त दिलाई। भारत के हमले के दौरान डेनी ने बांग्लादेश के डिफेंडर पर दबाव बनाया, जिससे गेंद भारतीय खिलाड़ियों के कब्जे में आई। इसके बाद बॉक्स के अंदर मिले मौके को डेनी ने गोल में बदलकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ साउथ अफ्रीकी टीम का ऐलान

बावुमा कप्तान, मिलर-डी कॉक शामिल, रबाडा बाहर

24 सितंबर से खेली जाएगी वनडे सीरीज

एजेंसी, लंदन

साउथ अफ्रीका ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। नियमित कप्तान टेम्बा बावुमा टीम की कमान संभालेंगे। टीम में डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक को भी शामिल किया गया है। दोनों फिलहाल सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन इस साल टी-20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के लिए खेले थे। दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 14 सितंबर से होगी।

कूट्जी ने 2023 वर्ल्ड कप के बाद से कोई वनडे नहीं खेला

कगिसो रबाडा हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं, इसलिए वे इस सीरीज में नहीं खेलेंगे। उनकी जगह जेराल्ड कूट्जी की टीम में वापसी हुई है। कूट्जी ने 2023 वर्ल्ड कप के बाद से कोई ओडीआई नहीं खेला है। पिछले तीन साल में कूट्जी कई चोटों से जूझ चुके

हैं। उन्होंने जून में साउथ अफ्रीका ए की ओर से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेला था। हाल ही में वह बांग्लादेश ए के खिलाफ भी मैदान पर उतरे। साउथ अफ्रीका के हेड कोच शुक्री कॉनराड ने टीम के बयान में कहा, जेराल्ड की टीम में वापसी देखकर अच्छा लगा।

द. अफ्रीका की वनडे टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज्के, जेराल्ड कोएत्जी, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जोरजी, ब्योर्न फोर्टुइन, मार्को यानसन, केशव महाराज, क्वेना मफाका, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स।

करन सिंह ने आईटीएफ एम15 बाली में सिंगल्स खिताब जीता

एजेंसी, चंडीगढ़

राउंडग्लास टेनिस अकादमी (आर.जी.टी.ए.) के खिलाड़ी करन सिंह ने इंडोनेशिया के बाली में आयोजित आईटीएफ मेन्स वर्ल्ड टेनिस टूर एम15 में पुरुष सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया। यह करन के करियर का चौथा खिताब और 2026 सीजन का तीसरा खिताब है, जिसमें सिंगल्स वर्ग में यह उनकी दूसरी खिताबी जीत है। चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी (एटीपी 604) ने हार्ड कोर्ट पर खेले गए बेहद कड़े फाइनल में न्यूजीलैंड के पांचवीं वरीयता प्राप्त आइजैक बेकक्रॉफ्ट को 7-5, 7-6(3) से हराकर खिताब पर कब्जा किया। करन के लिए यह एक शानदार

सप्ताह रहा, जहां उन्होंने बिना एक भी सेट गंवाए खिताब अपने नाम किया। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के क्वालिफायर गुनावान ट्रिस्मुवंतारा को 6-3, 7-5 से हराकर की। दूसरे दौर में उन्होंने स्थानीय वाइल्डकार्ड खिलाड़ी राफालेंटिनो अली दा कोस्टा को 6-3, 6-2 से मात दी।

क्वार्टरफाइनल में सिंह ने अपना दबदबा जारी रखते हुए एक और इंडोनेशियाई वाइल्डकार्ड खिलाड़ी नाथन एंथनी बार्की को 6-1, 6-4 से हराया। सेमीफाइनल में करन का सामना जापान के सातवीं वरीयता प्राप्त योंतारो तागुची से हुआ। करन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापानी खिलाड़ी को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हराया और फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

भारत के खिलाफ क्रिकेट मैच के लिए जापान टीम घोषित

सुजुकी कप में कडोवाकी-फ्लेमिंग को टीम की कमान; 22 सितंबर को एकमात्र टी-20 मुकाबला

नई दिल्ली। जापान ने भारत के खिलाफ 22 सितंबर को होने वाले टी-20 मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। जापान के सानो शहर में होने वाले इस मुकाबले में केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग टीम के कप्तान होंगे। उन्होंने टी-20 में जापान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। दोनों देशों के बीच डिप्लोमेटिक रिलेशन के 75 साल पूरे होने पर यह एकमात्र मुकाबला खेला जा रहा है। इसे सुजुकी कप कहा गया है। मैच भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा। एशियन गेम्स 2026 के मुकाबले जापान के आइची-नागोया शहर में खेले जाएंगे। इसमें क्रिकेट भी शामिल है। सुजुकी कप का मैच एशियन गेम्स में मेंस क्रिकेट शेड्यूल से पहले खेला जाएगा।

वर्ल्ड पैरा सीरीज में भारत के सात पदक पक्के शीतल देवी फाइनल में

अहमदाबाद। वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज 2026 के तीसरे दिन भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात पदक पक्के कर लिए हैं। पैरा कंपाउंड महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में शीतल देवी ने फाइनल में जगह बनाई है। फाइनल में 9 सितंबर को उनका सामना कजाखस्तान की ऐज़ादा सेइदान से होगा। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में सरिता और तोमन कुमार कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचे हैं। रिकर्व महिला व्यक्तिगत में भावना और राजश्री धनराज राठौड़ के बीच कांस्य पदक का मुकाबला होगा, जिससे भारत का एक पदक और पक्का हो गया। डब्ल्यू1 महिला वर्ग में स्वाति चौधरी भी कांस्य के लिए खेलेंगी। टीम स्पर्धाओं में भारत ने तीनों पैरा रिकर्व वर्गों में पदक सुनिश्चित किया है। हरविंदर सिंह-विजय सुंडी पुरुष टीम में, भावना-पूजा महिला टीम में और हरविंदर-भावना मिक्स्ड टीम में फाइनल में पहुंचे। कंपाउंड पुरुष टीम में तोमन कुमार और श्याम सुंदर स्वामी फाइनल में हैं, जबकि शीतल-पायल की जोड़ी महिला टीम में कांस्य के लिए खेलेगी। डब्ल्यू1 मिक्स्ड टीम में आदिल अंसारी और स्वाति चौधरी भी फाइनल में पहुंच गए हैं।

मिस्बाह ने भी सिस्टम पर सवाल उठाए

पाकिस्तान क्रिकेट वेंटिलेटर पर, मौजूदा टीम से कोई उम्मीद नहीं : शोएब अख्तर

एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट 'वेंटिलेटर पर' है और मौजूदा टीम से कोई उम्मीद नहीं बची है। इंग्लैंड दौरे पर लगातार खराब प्रदर्शन के बीच पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने पीसीबी और टीम की मौजूदा स्थिति पर तीखी टिप्पणी की है। वहीं, पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने स्थानीय और विदेशी कोचों के साथ अलग-अलग व्यवहार किए जाने पर सवाल उठाते हुए सिस्टम पर निशाना साधा है। इंग्लैंड तीन टेस्ट की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना चुका है और तीसरा मुकाबला बाकी है। शोएब अख्तर ने 'आउटसाइड एज' शो में कहा, टीम को दोबारा मजबूत स्थिति में आने में करीब दो साल लग सकते हैं। अख्तर ने कहा कि पीसीबी मौजूदा टीम

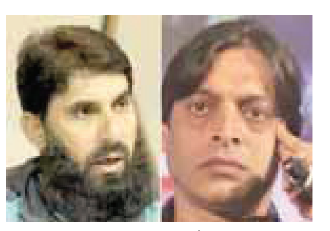

के प्रदर्शन से निराश है और अब उसकी उम्मीदें अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से हैं। उनका मानना है कि ऐसे क्रिकेटरों को तैयार करने की जरूरत है जो लंबे समय तक पाकिस्तान के लिए खेलें। पूर्व तेज गेंदबाज ने शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ को लेकर अलग से सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि इन तीनों के करियर में अभी काफी क्रिकेट बाकी है, इसलिए उनके वर्कलोड और फिटनेस का ध्यान रखा जाना चाहिए।

विदेशी और स्थानीय कोचों के साथ अलग व्यवहार : मिस्बाह

हाल ही में राष्ट्रीय चयनकर्ता पद से हटे पूर्व टेस्ट कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने पाकिस्तान क्रिकेट सिस्टम में कोचों के साथ होने वाले व्यवहार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय कोचों को विदेशी कोचों की तुलना में ज्यादा जांच और आलोचना का सामना करना पड़ता है। मिस्बाह ने एक टीवी शो पर कहा कि उन्हें विदेशी कोच नियुक्त किए जाने से कोई परेशानी नहीं है। हालांकि, उनके मुताबिक पीसीबी, मीडिया, आलोचकों और प्रशंसकों का रवैया विदेशी कोचों के प्रति ज्यादा नरम रहता है। उन्होंने कहा कि विदेशी कोचों को ज्यादा अधिकार और ताकत भी दी जाती है।

स्वर्ण पदक विजेता नागर सिंह कनेश और कृष्ण चंद्र को 50-50 हजार देने की घोषणा

देव कुमार मीणा और कुलदीप कुमार एशियाई खेलों में दिखाएंगे दम, चंचल शेखर ने किया उत्साहवर्धन

- टीटी नगर स्टेडियम में एशियाई खेलों के लिए चयनित देव मीणा एवं कुलदीप का बढ़ाया उत्साह

खेल संवाददाता, भोपाल

खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश के संचालक चंचल शेखर ने आज टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल में प्रदेश के उभरते और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने जा रहे खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने 20वें एशियाई खेल-2026 के लिए चयनित मध्यप्रदेश के पोल वॉल्ट खिलाड़ियों देव कुमार मीणा एवं कुलदीप कुमार से मुलाकात की तथा हाल ही में संपन्न 21वीं राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी के खिलाड़ियों को भी उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। संचालक चंचल शेखर ने खिलाड़ियों से उनकी तैयारियों, प्रशिक्षण और आगामी प्रतियोगिताओं को लेकर संवाद किया। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ी ही भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाने की मजबूत कड़ी बनते हैं। खेल संचालक ने स्वर्ण पदक जीतने वाले नागर सिंह कनेश और कृष्ण चंद्र के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए दोनों खिलाड़ियों को 50-50 हजार की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की यह उपलब्धियां उनकी मेहनत के साथ-साथ अकादमी में मिल रहे नियमित प्रशिक्षण, विशेषज्ञ कोचिंग और बेहतर खेल सुविधाओं का परिणाम हैं। इस अवसर पर संयुक्त संचालक बी एस यादव, उपसंचालक श्रीमती वाणी साहू, मुख्य एथलेटिक्स कोच एस के प्रसाद एवं पोल वॉल्ट कोच घनश्याम यादव उपस्थित रहे।

एशियाई खेलों में पोल वॉल्ट में मध्यप्रदेश की दोहरी चुनौती

जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले 20वें एशियाई खेल-2026 में मध्यप्रदेश के 32 खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसी क्रम में एथलेटिक्स की पोल वॉल्ट स्पर्धा में देव कुमार मीणा एवं कुलदीप कुमार भारतीय चुनौती पेश करेंगे। संचालक चंचल शेखर ने दोनों खिलाड़ियों से उनकी वर्तमान तैयारी और प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि एशियाई खेलों जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करना गौरव की बात है। खिलाड़ियों को अपनी तैयारियों पर पूरा ध्यान केंद्रित करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रयास करना चाहिए।

45 रुपए के विवाद पर सिर में मारी तलवार, कटी उंगलियां

भोपाल (नगर संवाददाता)

ऑटो चालक गंभीर हालत में भर्ती, आरोपी फरार

45 रुपए को लेकर शुरू हुआ विवाद रविवार रात तलैया इलाके में जानलेवा हमले में बदल गया। सब्जी का ठेला लगाने वाले युवक ने पुराने विवाद का बदला लेने ऑटो चालक को राजीनामा करने के बहाने बुलाया और पीछे से सिर पर तलवार मार दी। अचानक हुए हमले में बचने ऑटो चालक ने जैसे ही हाथ आगे किया तो उसकी उंगलियां भी कट गईं। सिर में गंभीर चोट के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसकी हालत नाजुक है। आरोपी फरार है। तलैया पुलिस के अनुसार, 28 वर्षीय हारून खान निवासी इस्लामपुरा ऑटो चलाता है। इसी इलाके का रिजवान कुरैशी इतवारा में सब्जी का ठेला लगाता है। कुछ दिन पहले रिजवान का यूपीआई नहीं चल रहा था, इसलिए रिजवान के एक ग्राहक ने हारून के बैंक खाते में 45 रुपए ट्रांसफर कर दिए थे।

रिजवान ने हारून से बाद में ये रुपए उसे देने कहा था। हारून बाद में 45 रुपए देना भूल गया। इसी बात को लेकर दो दिन पहले दोनों में विवाद हो गया था।विवाद में हारून ने रिजवान को चांटा मार दिया था। इसके बाद से दोनों में रंजिश चल रही थी। रविवार रात रिजवान ने हारून को विवाद खत्म करने बुलाया। हारून जब उससे मिलने पहुंचा तो दोनों में बातचीत होने लगी। इसी दौरान रिजवान ने अचानक तलवार निकाल ली और पीछे से हारून के सिर पर वार कर दिया।

एफडी तोड़कर खाते से 6 लाख निकाले, ओटीपी भी नहीं आया

भोपाल (नगर संवाददाता)

इंटरनेट बैंकिंग के जरिए तीन बार हुआ ट्रांजैक्शन, साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत

ऐशबाग इलाके के 61 वर्षीय बुजुर्ग के बैंक खाते से साइबर ठगों ने करीब छह लाख रुपए निकाल लिए। खास बात है कि पीड़ित के मोबाइल पर किसी भी ट्रांजैक्शन का ओटीपी नहीं आया।

पुलिस के अनुसार, अफकार कॉलोनी निवासी शरीफ अहमद कुरैशी का आईसीआईसीआई बैंक की अशोका गार्डन शाखा में बचत खाता है और उनकी एफडी भी इस खाते से जुड़ी थी। 4 सितंबर को दोपहर करीब 12 से 12:30 बजे के बीच अज्ञात ने इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से एफडी से तीन अनाधिकृत ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किए। पहली बार1 लाख 99 हजार 354 रुपए, दूसरी बार 2 लाख 354 रुपए और तीसरी बार 2 लाख 254 रुपए की राशि ट्रांसफर की गई। तीनों ट्रांजैक्शन मिलाकर 5 लाख 99 हजार 962 रुपए की रकम खाते से निकल गई। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उसने किसी भी व्यक्ति के साथ पासवर्ड, पिन, सीवीसी अथवा अन्य बैंकिंग जानकारी साझा नहीं की थी। इसके बावजूद खाते से रकम निकल गई। घटना के बाद उन्होंने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अब ट्रांजैक्शन की जानकारी और इंटरनेट बैंकिंग के इस्तेमाल से जुड़े तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज में मानदेय बढ़ाने को लेकर जूनियर डॉक्टरों प्रदर्शन करते हुए।

डीपीआई में बढ़ेंगे आईएएस और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी

भोपाल (नगर संवाददाता)

लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) में वरिष्ठ अधिकारियों की कमी दूर करने के लिए एक और आईएएस तथा दो राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पदस्थापना का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। आयुक्त लोक शिक्षण अभिषेक सिंह ने शासन से रिक्त पदों पर अधिकारियों की नियुक्ति की अनुमति मांगी है।

आयुक्त अभिषेक सिंह ने बताया कि संचालनालय में वरिष्ठ पदों के रिक्त रहने से काम प्रभावित हो रहा है। इसी वजह से रिक्त पदों पर अधिकारियों की व्यवस्था के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रस्ताव को मंजूरी देना शासन का निर्णय होगा। अधिकारियों की नियुक्ति केवल पद रिक्त रहने तक की स्थिति में की जाएगी। इससे विभागीय अधिकारियों की वरिष्ठता प्रभावित नहीं होगी और किसी अधिकारी को नुकसान नहीं होगा।

संचालक के एक पद पर आईएएस की नियुक्ति का प्रस्ताव-प्रस्ताव के अनुसार, संचालनालय में संचालक के तीन पदों में से एक पद पर आईएएस अधिकारी की नियुक्ति की जा सकती है। वर्तमान में दो पद विभागीय अधिकारियों के पास हैं। वहीं अपर संचालक के दो पदों पर राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पदस्थापना का प्रस्ताव है। जानकारी के अनुसार, मार्च 2020 तक संचालक के पदों में से एक पर राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी की पदस्थापना की व्यवस्था थी, जिसे बाद में समाप्त कर दिया गया। नए प्रस्ताव का विभागीय अधिकारियों ने विरोध शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

रानी कमलापति-गया के बीच चलेगी पितृपक्ष पर स्पेशल ट्रेन

यात्रियों को मिलेगी राहत, आरक्षण शुरू

भोपाल (नगर संवाददाता)

पितृपक्ष के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या एवं अतिरिक्त यात्री भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 01661/01662 रानी कमलापति-गया-रानी कमलापति विशेष ट्रेन संचालन करने का निर्णय लिया है। यह विशेष ट्रेन रानी कमलापति से 03 फेरे तथा गया से 03 फेरे लेगी।

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने यात्रियों से अनुरोध है कि वे इस अतिरिक्त रेल सेवा का लाभ उठाएं। इस ट्रेन के लिए आरक्षण अभी से शुरू हो गया है। यात्री इस स्पेशल ट्रेन की विस्तृत जानकारी स्टेशन, रेल मदद 139 अथवा रेलवन एप/ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति से 27 सितंबर रविवार, 02 अक्टूबर शुक्रवार एवं 07 अक्टूबर बुधवार को चलेगी। यह ट्रेन रानी कमलापति से 15.20 बजे प्रस्थान कर नर्मदापुरम 16.34 बजे, इटारसी 17.05 बजे होकर अगले दिन गया 14.30 बजे पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 01662 गया से 30 सितंबर बुधवार, 05 अक्टूबर सोमवार एवं 10 अक्टूबर शनिवार को चलेगी। यह ट्रेन गया से 15.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन इटारसी 14.05 बजे एवं नर्मदापुरम 14.43 बजे होकर रानी कमलापति स्टेशन 16.15 बजे पहुंचेगी।

एलएनसीटी के दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का किया शुभारंभ

इसी सत्र से 'सार्थक ऐप' से दर्ज होगी विद्यार्थियों की उपस्थिति : परमार

भोपाल (नगर संवाददाता)

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि प्रवेश, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम की समयबद्धता शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता की बुनियादी जरूरत है। अकादमिक कैलेंडर का शत-प्रतिशत पालन और विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित किए बिना शिक्षा व्यवस्था को प्रभावी और न्यायसंगत नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने बताया कि इसी सत्र से विद्यार्थियों की उपस्थिति 'सार्थक ऐप' के माध्यम से दर्ज की जाएगी।

मंत्री परमार ने सोमवार को एलएनसीटी विश्वविद्यालय, भोपाल में 'भारतीय ज्ञान परंपरा में परीक्षा संचालन एवं मूल्यांकन : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय ज्ञान, जीवन-मूल्यों और दृष्टिकोण के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का संकल्प है। परीक्षा केवल ज्ञान मापने का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थी की प्रतिभा, कौशल, चिंतन, सृजनशीलता और क्षमता पहचानने का अवसर होना चाहिए। परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा दृष्टि के समन्वय से पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण, विद्यार्थी-केंद्रित और समयबद्ध परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यवस्था विकसित करेगा। कार्यशाला में देशभर से आए कुलगुरु, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक और शिक्षाविदों ने मूल्यांकन व्यवस्था में सुधार पर मंथन किया।

छात्र-छात्राओं ने कला और विज्ञान में सबसे अधिक रुचि दिखाई, वाणिज्य में कम दिलचस्पी

चिंता की बात : मध्यप्रदेश के निजी- सरकारी महाविद्यालयों में 88,296 सीटें रह गईं खाली

भोपाल (नगर संवाददाता)

उच्च शिक्षा विभाग के बहुत जोर लगाने के बाद भी निजी और सरकारी कॉलेजों में लगभग 88,296 सीटें अन्ततः खाली रह गई है। 31 अगस्त की स्थिति में सभी निजी और शासकीय कॉलेजों की कुल 702463 सीटों में से केवल 6 लाख 14 हजार 167 सीटें ही भर पाई। खास बात ये रही कि इस साल लगभग यूजी और पीजी में सबसे अधिक रूचि छात्र- छात्राओं ने आर्टस विषय में दिखाई है। इसमें यूजी में दो लाख तथा पीजी में 64 हजार छात्र- छात्राओं ने प्रवेश लिया है। इसके बाद साइंस और तीसरे नबंर पर कामर्स रहा।

विभाग के अधिकारियों के अनुसार लगातार प्रवेश संख्या में कमी को देखते हुए इस साल विभाग ने दो सेंट्रलाइज्ड और चार सीएलसी राउंड आयोजित किया था। इसके बावजूद करीबन 88 हजार सीटें खाली रह गई है। बहरहाल इस साल ई- प्रवेश प्रकिया के समाप्त होने जारी आंकड़ों के अनुसार यूजी में कुल 429717 तथा पीजी में 129321, एनसीडीई पाठ्यक्रमों में लगभग 55 हजार सीटें भर पाई है।

सरकारी कॉलेजों में नामांकन के विषयवार आंकड़े

विषय	यूजी	पीजी
आर्टस	166598	64094
विज्ञान	94350	27622
वाणिज्य	68382	10665
लॉ	631	4368
एनसीटीई	(बीएएड, एमएड)	1211
डिप्लोमा	48	126

(आंकड़े : उच्च शिक्षा विभाग)

सरकारी कॉलेजों में अधिक संख्या में हुए प्रवेश

उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार इस साल कुल 6.14 लाख में से केवल सरकारी कॉलेजों में यूजी में 3 लाख 4 हजार और पीजी में 99 हजार प्रवेश हुए हैं। वही निजी कॉलेजों में यूजी में 73537 और पीजी में 23012 यानि कुल 96549 छात्र– छात्राओं ने प्रवेश लिया है। इसके अलावा एनसीटीई (बीएड, एमएड आदि) कोर्सेज में इस बार 55,129 सीटें ही भर पाई। हालांकि इस वर्तमान में एनसीटीई कोर्सेस में एडमिशन की प्रक्रिया चल रही है, जिसमें कुछ इजाफा होने की उम्मीद है। वर्तमान में बीएड में 54431 प्रवेश हुए हैं।

इनका कहना है...

कॉलेजों में ई-प्रवेश के मामले में एक बार फिर सरकारी कॉलेजों ने बाजी मार दी है। छात्र- छात्राओं ने सरकारी कॉलेजों में शासन की योजनाओं का लाभ मिलने की वजह से रूचि दिखाई है। हम सरकारी कॉलेजों में पढ़ाई का स्तर नई शिक्षा नीति के अनुरूप और अधिक उच्च स्तर का करने जा रहे हैं। छात्रों को पढ़ाई होते ही कैम्पस में ही रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करा रहे हैं।

- **इंदर सिंह परमार**, मंत्री उच्च शिक्षा विभाग मप्र

2.61 लाख सीटें आर्टस से भरी

ई–प्रवेश में सबसे अधिक रूचि आटर्स विषय में दिखाई गई है। इसमें लगभग दो लाख छात्र–छात्राओं ने प्रवेश लिया है। इसी तरह पीजी में लगभग 64 हजार ने आर्टस विषय चुना है। इस तरह कुल 2.84 लाख सीटों में से 2.61 लाख सीटें आर्टस से भरी। इसके बाद विज्ञान विषय रहा। इसमें कुल 189437 सीटों की तुलना में लगभग 1 लाख 55 में विज्ञान की सीटें भर पाई। इसके बाद तीसरे नबंर पर बीबीए और बीसीए में क्रमश : 23472 और 9800 सीटें पूरी तरह भर गई। वही यूजी कामर्स में 82 हजार सीटों में से कुल 68 हजार और पीजी कामर्स में 15952 सीटों में से लगभग 10665 सीटों पर प्रवेश हो पाया।

जलवायु परिवर्तन से निपटने जिलेवार रणनीति बनाई जाएगी : अहिरवार

गैर-सीओ2 उत्सर्जन में कमी के लिए बहुक्षेत्रीय आकलन रिपोर्ट जारी

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश में जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण से निपटने के लिए अब जिलेवार रणनीति तैयार की जाएगी।

वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप सिंह अहिरवार ने अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर 'मध्यप्रदेश में गैर-सीओ2 उत्सर्जन में कमी के मार्ग : एक बहुक्षेत्रीय आकलन' रिपोर्ट का विमोचन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक आंकड़ों के आधार पर तैयार रणनीति से अलग-अलग क्षेत्रों में प्रदूषण कम करने के प्रयासों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। राज्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ हवा और जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीतियां एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। स्थानीय स्तर पर उठाए गए कदमों का असर व्यापक पर्यावरण पर पड़ता है। इसलिए केवल नीतियां बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जिले और क्षेत्र के स्तर पर सटीक जानकारी के आधार पर योजनाएं तैयार करना जरूरी है। कार्यक्रम में एप्को के कार्यपालन संचालक हर्षल पंचोली ने स्वागत भाषण दिया। विशेषज्ञों ने वायु प्रदूषण नियंत्रण, जलवायु परिवर्तन, वायु गुणवत्ता और सीमापार वायु प्रदूषण जैसे विषयों पर तकनीकी सत्रों में जानकारी साझा की।

थीम निर्धारित करने के लिए समिति गठित

भोपाल। राज्य शासन द्वारा दिसम्बर में नीति आयोग द्वारा आयोजित किये जाने वाले मुख्य सचिवों के 6वें राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए पाँच मुख्य विषय (थीम) निर्धारित करने के लिए समिति का गठन किया है।उक्त समिति 9 सितम्बर तक अनुशंसा प्रस्तुत करेगी। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में कृषि उत्पादन आयुक्त/अपर मुख्य सचिव, कुटीर एवं ग्रामोद्योग कैलाश चंद गुप्ता को अध्यक्ष बनाया गया है। अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री/लोक सेवा प्रबंधन नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग गुलशन बामरा सदस्य होंगे। सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी श्रीमन शुक्ला को सदस्य–सचिव नामित किया गया है।

युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन आज

भोपाल। युवा संगम रोजगार मेला का आयोजन मंगलवार को प्रात:11 बजे से स्कोप ग्लोबल यूनिवर्सिटी, मिसरोद,भोपाल में किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने मध्यप्रदेश के सभी रोजगार के इच्छुक आवेदक, आवेदिकाओं से अपील की है कि वे अपने समस्त मूल प्रमाण – पत्रों एवं अपना बायोडाटा सहित

महापौर की कार के हूटर पर शिकायती आवेदन रखकर लगाई आग, केस दर्ज

भोपाल (नगर संवाददाता)

महापौर मालती राय के सरकारी वाहन में सोमवार दोपहर आग लगाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आग निगम के ही दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी सुनील गायकवाड़ ने लगाई। घटना के बाद निगम अधिकारियों की शिकायत पर टीटी नगर थाना पुलिस ने आगजनी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी अभी नहीं हो सकी है।

पुलिस के अनुसार घटना सोमवार दोपहर करीब तीन बजे तुलसी नगर स्थित नवनिर्मित अटल भवन में हुई। उस समय महापौर कार्यालय में मौजूद थीं। उनकी निजी टैक्सी कोटे की सरकारी गाड़ी में हूटर के पास आवेदन के रूप में पहले दिए गए ज्ञापनों का ढेर रखा गया और उसमें आग लगा दी गई। कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों ने तत्काल आग बुझा दी। बताया गया है कि सुनील गायकवाड़ अस्थायी कर्मचारियों को नियमित कराने की मांग को लेकर संगठन चलाता है और उसका अध्यक्ष भी है।

वैवाहिक साइट पर रिश्ता, फिर दिया नौकरी का झांसा

सायबर धोखाधड़ी: दो व्यक्तियों के खातों से निकाले 5.40 लाख रुपए

भोपाल (नगर संवाददाता)

साइबर जालसाज अब वैवाहिक साइट पर रिश्ता तय करने के बहाने लोगों को अपने जाल में फंसाकर ठगी करने लगे हैं। कोलार रोड थाना क्षेत्र में एक युवक ने वैवाहिक साइट के जरिए युवती से संपर्क किया और शादी की बातचीत के बीच खुद को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण का कर्मचारी बताते हुए नौकरी का झांसा दिया। इसी तरह ऐशबाग थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग के खाते से इंटरनेट बैंकिंग के जरिए एफडी की रकम निकाल ली गई। दोनों मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शादी की बातचीत के बीच नौकरी का लालच

पुलिस के अनुसार दानिश कुंज निवासी 37 वर्षीय अनुराधा सिंह ने शिकायत दर्ज कराई है। उनकी भतीजी मोनिका यादव की शादी की बातचीत बिहार निवासी वीर बहादुर यादव से वैवाहिक साइट के जरिए शुरू हुई थी।

आरोपी ने खुद को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में नौकरी करने वाला बताया और कहा कि वह इंदौर में रहता है तथा फिलहाल भोपाल में है।

बातचीत के दौरान उसने मोनिका को अपने विभाग में नौकरी दिलाने का प्रस्ताव दिया। मोनिका ने इनकार कर दिया, लेकिन आरोपी के कहने पर परिचित मुस्कान गोयल को नौकरी दिलाने के लिए 3 जुलाई को बताए गए खाते में 41 हजार 300 रुपए जमा किए गए। इसके बाद वीर बहादुर अन्य लोगों को भी नौकरी दिलाने के नाम पर रकम जमा कराने के लिए कहने लगा। लगातार पैसों की मांग होने पर परिवार को संदेह हुआ और मामला पुलिस तक पहुंचा। पुलिस मोबाइल कॉल डिटेल और जिस बैंक खाते में रकम पहुंची, उसके आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है।

बुजुर्ग की एफडी से निकाली रकम

इधर, ऐशबाग थाना क्षेत्र में अफकार कॉलोनी निवासी 61 वर्षीय शरीफ अहमद कुरैशी के आईसीआईसीआई बैंक खाते से 4 सितंबर को रकम निकाली गई। शिकायत के अनुसार जालसाजों ने इंटरनेट बैंकिंग के जरिए उनकी एफडी से 5 लाख 99 हजार रुपए तीन किस्तों में निकाल लिए। पीड़ित ने बैंक प्रबंधन की लापरवाही का भी आरोप लगाया है। भोपाल साइबर क्राइम पुलिस मामले की जांच कर रही है और बैंक से पूछताछ के लिए नोटिस भेजने की तैयारी है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई–100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
मुख्य कार्यकारी संपादक : **श्रीमती रश्मि अग्रवाल**, सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)